E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 122 | प्रयागराज, मंगलवार 28 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान को फिर दी धमकी- ट्रम्प बोले- अमेरिका के पास हथियारों की कोई कमी नहीं,अटैक की एआई तस्वीर शेयर की

वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ तनाव के बीच अमेरिका के हथियार खत्म नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार हैं, जरूरत से भी ज्यादा।' ट्रम्प का यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के साथ लगातार टकराव की वजह से अमेरिका के पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार घट रहा है। बयान के तुरंत बाद ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कई ‍ तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में ईरान के सबसे बड़े तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर हवाई हमला दिखाया गया। इसके साथ उन्होंने लिखा- 'स्ट्राइक ऑन खार्ग'। इसके बाद उन्होंने कुछ और एआई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें एक ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी झंडा नजर आ रहा है। एक दूसरी तस्वीर में जहाज को उड़ता हुआ दिखाया गया, जिसके साथ लिखा था- 'नो मोर इंजन्स'। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट-1. अमेरिका ने हमले रोके, ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई पर लगाया ब्रेकः अमेरिका ने तीन रात से ईरान पर हमला नहीं किया। इसके बाद ईरान ने भी अमेरिकी ठिकानों और हितों पर जवाबी कार्रवाई रोकने का ऐलान किया। ट्रम्प ने कहा कि बातचीत को मौका देने के लिए हमले रोके गए हैं। 2. होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकर में धमाकाः होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइन से टकराने के बाद

एक तेल टैंकर में विस्फोट हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक टैंकर तय समुद्री मार्ग से हटकर जा रहा था। 3. कच्चे तेल की कीमतों में 5फीसदी से ज्यादा गिरावटः अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट और अमेरिकी क्रूड दोनों की कीमतों में 5फीसदी से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। 4. ईरान तनाव के बीच ट्रम्प से मिलने अमेरिका जाएंगे नेतन्याहूः इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका रवाना होंगे, जहां उनकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात होगी। दोनों नेताओं की यह जंग के बाद पहली आमने-सामने की बैठक होगी। 5. ईरान में अमेरिका समर्थित घुसपैठियों के खिलाफ अभियान शुरूः आईआरजीसी ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी ईरान में अमेरिका समर्थित अलगाववादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है, ताकि उन्हें देश में दाखिल होने से पहले ही रोका जा सके। सेंटकॉम कमांडर ने ट्रम्प को ईरान पर बमबारी रोकने की सलाह दी- अमेरिका के सेंट्रल कमांड सेंटकॉम के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने होर्मुज के आसपास ईरान पर जारी बमबारी अभियान रोकने की सिफारिश की थी। अमेरिकी वेबसाइट एक्सिओज़ ने दो सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कूपर का मानना था कि दो सप्ताह से चल रहा हवाई अभियान अपनी प्रभावी सीमा तक पहुंच चुका है। ऐसे में मौजूदा स्वरूप में बमबारी जारी रखने का कोई खास सैन्य फायदा नहीं होगा। ईरान ने होर्मुज में 6 जहाजों को रोका-ईरानी सरकारी टीवी आईआरआईबी के मुताबिक, सोमवार तड़के 6 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से से तय समुद्री मार्ग छोड़कर गुजरने की कोशिश कर रहे थे। ईरान का दावा है कि इन जहाजों ने अपना नेविगेशन और पोजिशनिंग सिस्टम भी बंद कर रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने सभी जहाजों को रोक लिया। इनमें से एक जहाज हादसे का शिकार हो गया, जबकि बाकी जहाजों को वापस फारस की खाड़ी की ओर भेज दिया गया। रिपोर्ट- पेंटागन ने ईरान युद्ध में मारे गए 4 सैनिकों को आधिकारिक सूची से हटाया- अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने ईरान के साथ हालिया संघर्ष में मारे गए 4 अमेरिकी सैनिकों को आधिकारिक युद्ध हताहतों की सूची से हटा दिया है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सैनिकों के नाम अब मुख्य युद्ध हताहत सूची में नहीं हैं। इन्हें 'ओवरसीज ऑपरेशंस' नाम की अलग कैटेगरी में रखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस नई सूची में 4 मृत सैनिकों के अलावा 207 घायल जवानों के नाम भी शामिल हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सभी घायल सीधे ईरान युद्ध में ही घायल हुए थे। पेंटागन के प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज़ ने कहा कि यह बदलाव डेटा में आई गड़बड़ी और अस्थायी तकनीकी दिक्कतों की वजह से हुआ है, जिसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा।

होर्मुज में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया, जहाज में लगी आग, जंग शुरू होने के बाद पहला ऐसा हादसा

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। जहाजों ने बदला रास्ताः ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने

ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह टैंकर तेहरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से अलग रास्ते से जा रहा था, जिसके बाद वह बारूदी सुरंग से टकरा गया। ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए मार्ग से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। फिलहाल इस घटना पर ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नुकसान या हताहतों को लेकर भी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है कि इस तरह कोई जहाज समूद्री नेवल माइन से टकराया हो। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने यह समूद्री माइन बिछाई थी, जिसे सीजफायर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हटाने का आदेश दिया था। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब की रिफाइनरी पर हमलाः हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको रिफाइनरी पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान रिफाइनरी को सऊदी अरब की पांचवीं सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी माना जाता है। 2. ईरान की फायरिंग के बाद 4 पिछले 24 घंटे में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे चार जहाजों पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की। इसके बाद चारों जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया। 3. ईरान में पेट्रोल महंगा करने पर विचारः ईरान सरकार पेट्रोल की खपत को कंट्रोल करने के लिए पेट्रोल को महंगा कर सकती है। सरकार के मुताबिक, अभी इस पर विचार कर रही है कि बदलाव कैसे लागू किए जाएं। 4. अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकाः अमेरिका ने शुक्रवार रात ईरान पर हमला नहीं किया। इससे पहले वह लगातार 13 दिनों तक हर रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहा था। 5. बहरीन में अमेरिकी ठिकाने पर ईरानी हमलाः ईरान ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के नौसैनिक ठिकाने पर हमला किया। यहां ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद कई बड़े विस्फोट हुए। तेल की कीमतों में 5फीसदी से ज्यादा गिरावट- अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच रविवार को कच्चे तेल की कीमतों में पांच प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 5.7फीसदी गिरकर लगभग 91.30 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी क्रूड 5.4फीसदी टूटकर 84.43 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

पीओके में हुआ विधानसभा चुनाव का पहला चरण, नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई, 2 महीने से हिंसक प्रदर्शन हो रहे

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सोमवार को विधानसभा चुनाव

के पहले चरण की वोटिंग होगी। पिछले कई महीनों से यहां विरोध प्रदर्शन, हिंसा, गिरफ्तारियां और सरकारी कार्रवाई जारी है। यह विवाद उन 12 विधानसभा सीटों को लेकर है, जो भारतीय के जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान जाकर बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। इमरान खान की पार्टी पीटीआई और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही जेएएसी ने चुनाव के बहिष्कार का फैसला किया है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने पीओके का प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई है। चुनाव से पहले क्यों भड़का पूरा इलाका? इन प्रदर्शनों का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) कर रही है। सरकार ने 5 जून को प्रस्तावित प्रदर्शन से कुछ दिन पहले ही इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

कुछ नेता भूमिगत हो गए, जबकि कुछ अब भी पुंछ डिवीजन के मुख्यालय रावलाकोट में धरना स्थलों से आंदोलन चला रहे हैं। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगह लगातार धरने और सड़क जाम हुए हैं।

स्थिति इतनी खराब हो गई कि बैंक लगातार दो सप्ताह तक बंद रहे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका के सिएटल फूड फेस्टिवल में हुए फायरिंग में 2 की मौत, 5 घायल

सिएटल। अमेरिका के सिएटल में रविवार शाम 'बाइट

ऑफ सिएटल' फूड फेस्टिवल के दौरान हुई फायरिंग में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। घायलों में 2 साल का बच्चा भी शामिल है। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और मामले की जांच कर रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है। फायरिंग शाम करीब 6 बजे हुई, जब फेस्टिवल खत्म होने वाला था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कई वेंडर अपने स्टॉल छोड़कर भाग गए। फायर विभाग के मुताबिक, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक 56 वर्षीय महिला की हालत गंभीर है, जबकि 2 साल का बच्चा, एक 23 वर्षीय युवक और 39 वर्षीय महिला की हालत स्थिर बताई गई है। वॉशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि राज्य पुलिस की स्वाट टीम स्थानीय पुलिस की मदद कर रही है। पुलिस ने लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है।

कनाडा में पंजाबी युवती की हत्या, आरोपी ने पहले बात की, फिर करीब से गोली मार दी

परिवार बोला- डरकर कुछ दिन पहले पंजाब आई थी

अमृतसर। कनाडा के टोरंटो शहर में पंजाबी युवती नवनीत

कौर(26) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिस पर फर्स्ट डिग्री मर्डर और कोर्ट की अंडरटेकिंग का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस के मुताबिक दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई। उसके बाद युवक ने युवती पर गोली चला दी। फिर वह मौके से फरार हो गया। हालांकि बाद में पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने इसे टारगेट किलिंग करार दिया है। वहीं परिजनों का आरोप है कि युवक शादीशुदा होने के बावजूद युवती पर जबरन शादी का दबाव बना रहा था। इसी वजह से वह कुछ महीने पहले पंजाब भी लौट आई थी। इनकार करने पर उसने युवती की हत्या कर दी। कत्ल को लेकर कनाडा पुलिस की 3 अहम बातें-सुबह हुई वारदात, युवती की मौके पर मौत हुईः पुलिस के मुताबिक टोरंटो के हंबरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड (आर्बरवुड ड्राइव) इलाके में यह वारदात 24 जुलाई की सुबह करीब 7:23 बजे हुई। आरोपी का नाम शरणदीप सिंह (37) है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

परीक्षा संशोधन बिल पर हुई चर्चा, विपक्ष का हंगामा,स्पीकर ने कहा- सभी पक्ष सहमति बनाएं, छात्रों की पिटाई मामले पर बहस के लिए अड़ा

नयी दिल्ली। विपक्ष के हंगामे की वजह से लोकसभा में परीक्षा संशोधन बिल पर दोपहर 2 बजे चर्चा शुरू नहीं हो पाई। कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली बाहर संसद पहुंचे। एनडीए सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और

विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए। छात्रों की पिटाई मामले पर बहस की मांग करने लगे। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा कि आप चर्चा नहीं चाहते। इसके बाद 5 मिनट तक हंगामा होता रहा। स्पीकर ने कहा कि मैं शाम 5 बजे तक का समय देता हूं। सरकार और विपक्षी सांसद सहमति बनाकर आएं। इससे पहले लोकसभा 12 बजे, 2 बजे फिर शाम 5 बजे तक स्थगित कर दी गई थी। ऐसा ही हाल राज्यसभा का रहा। सदन को 2 बार स्थगित किया गया। सुबह दोपहर 11 बजे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में पेपर लीक से जुड़ा लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया था। उधर, पूर्व संसद भवन के अंदर तक ले गए। सांसदों ने 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था। 2024 में बने कानून में बदलाव होंगे, सजा-जुर्माना दोनों बढ़ेंगे- केंद्र सरकार 2024 में बने कानून में बदलाव के लिए संशोधन बिल लेकर आई है। इसमें पेपर लीक के आरोपियों के लिए और कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान है। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का अधिकार मिलेगा, जहां मामलों की रोजाना सुनवाई होगी। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत-नेपाल सीमा के पास सांप्रदायिक झड़प, युवक की मौत, लाउडस्पीकर और धार्मिक झंडे को लेकर विवाद

नयी दिल्ली। भारत-नेपाल सीमा से लगे नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात दो धार्मिक समुदायों के बीच झड़प हो गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें 24 साल के ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, झड़प देवगंज ग्रामीण नगर पालिका के कप्तानगंज इलाके में हुई। दोनों समुदाय वहां अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रम कर रहे थे। इसी दौरान लाउडस्पीकर बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते मामला

हिंसा में बदल गया। घटना के बाद प्रशासन ने सोमवार सुबह 7 बजे से 5 बाजार इलाकों में अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। अब इन इलाकों में 4 से ज्यादा लोग एक साथ नहीं जुट सकेंगे।

जुलूस, प्रदर्शन, धरना और सार्वजनिक सभाओं पर भी रोक लगा दी गई है।

पुलिस का कहना है कि इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भेजे जाएंगे नोटिस

नयी दिल्ली। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सकती है। इन नोटिस के जरिए पुलिस आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स को हटाने की मांग करेगी। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद अपलोड किए गए कंटेंट की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के बाद अभद्र प्रकृति वाली पोस्ट को हटाने के लिए संबंधित प्लेटफॉर्म्स को नोटिस

भेजे जाएंगे। कंटेंट की पहचान करने का काम जारी-पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस तरह के कंटेंट की पहचान करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या कोई कंटेंट किसी कानून का उल्लंघन करता है या उससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने की संभावना है। दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। टीम प्रदर्शन से संबंधित आपत्तिजनक कंटेंट की पहचान करने के लिए पूरे दिन सोशल मीडिया की निगरानी कर रही है। व्यंग्य, डिजिटल नेटवर्क बने जेन-जी के हथियार-दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला 36 दिन का छात्र आंदोलन सिर्फ अपनी मांगों की वजह से चर्चा में नहीं रहा। इसने विरोध प्रदर्शन का एक अलग मॉडल भी पेश किया। यहां न सिर्फ आंदोलन का तरीका बदला, बल्कि आंदोलन करने वाली पीढ़ी की सोच भी अलग दिखाई दी। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

नेतन्याहू बोले- संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने न्यूयॉर्क जाऊंगा, ममदानी पर झूट और नफरत फैलाने का आरोप लगाया

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क जाने की अपनी योजना पर कायम हैं। नेतन्याहू ने इस दौरान न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान

ममदानी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ममदानी नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। दरअसल, ममदानी ने कहा था कि अगर नेतन्याहू न्यूयॉर्क आते हैं तो वह अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू कराएंगे। आईसीसी ने युद्ध अपराधों के आरोपों में नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है, हालांकि इजराइल इन आरोपों को खारिज करता है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज में सोरांव विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान विधायक गुरु प्रसाद मौर्य विधान परिषद के सदस्य सुरेंद्र चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य जनप्रतिनिधिगण, भाजपा के सम्मानित पार्टी पदाधिकारीगण एवं अन्य प्रतिष्ठितजन उपस्थिति रहे।

139 रेल मदद हेल्पलाइन की सक्रियता ट्रेन में गंभीर महिला यात्री को मिला समय पर उपचार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी श्री आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुश्री प्रशस्ति श्रीवास्तव के नेतृत्व में वाराणसी मंडल के कर्मयोगी कर्मचारी यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर तत्पर हैं। इसी क्रम में 139 रेल मदद हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचना के आधार पर रेलवे की वाणिज्यिक एवं चिकित्सा टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक गंभीर महिला यात्री को समय पर उपचार उपलब्ध कराया। दिनांक 25 जुलाई, 2026 को 15007 कृषक एक्सप्रेस से यात्रा कर रही लगभग 30 वर्षीय महिला यात्री गोलू, निवासी बधुआ गोदाम, की मऊ स्टेशन के निकट अचानक तबीयत गंभीर हो गई। ऑक्सीजन स्तर अत्यधिक कम होने तथा हृदय संबंधी समस्या के कारण महिला की स्थिति चिंताजनक हो गई। उनके परिजनों ने तत्काल 139 रेल मदद हेल्पलाइन पर सहायता का अनुरोध किया। सूचना प्राप्त होते ही मुख्य टिकट निरीक्षक श्री राम प्रभाव यादव ने रेलवे चिकित्सा टीम को तत्काल सूचित किया। कृषक एक्सप्रेस के मऊ स्टेशन पहुंचते ही मंडल रेलवे चिकित्सक डॉ. पुनीत राव अपनी टीम के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर एवं आवश्यक चिकित्सा उपकरणों सहित मौके पर पहुंचे। टीम ने महिला को तत्काल प्राथमिक उपचार एवं ऑक्सीजन सहायता प्रदान की, जिससे उनकी स्थिति में सुधार हुआ। प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु महिला यात्री को एम्बुलेंस द्वारा जिला चिकित्सालय, मऊ रेफर किया गया। रेलवे की वाणिज्यिक एवं चिकित्सा टीम की त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता एवं समर्पित सेवा की महिला के परिजनों तथा अन्य यात्रियों ने मुक्त कंठ से सराहना करते हुए रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया। वाराणसी मंडल यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है तथा किसी भी आपात स्थिति में 139 रेल मदद हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस आशय की जानकारी हिमांशु राव मुख्य प्रचार निरीक्षक ने मीडिया को दी।

'एन अनसीन स्टेज' में निखरी युवा प्रतिभाएं, विजेताओं को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को नित्यशाला स्टूडियो, सिविल लाइंस द्वारा आयोजित 'An Unseen Stage' Skeb 'An Incredible Competition Prayagraj' का भव्य आयोजन शनिवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शहर की उभरती हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और उनकी रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का संचालन नेहा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में लायन हिमांशु गुप्ता, डॉ. प्रतीक पांडेय एवं अमित तिवारी उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में नंदन देश पांडेय (गायन), आशिता यादव (नृत्य), अमित तिवारी (कविता एवं शायरी) तथा शिवम मौर्य (कहानी एवं कॉमेडी) ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। आयोजन में गायन, नृत्य, कविता, शायरी, कहानी और कॉमेडी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और मेडल वितरित किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में लक्ष्मी जायसवाल, अनुपमा श्रीवास्तव, अमित तिवारी, हिमांशु गुप्ता, गौरी मुलवानी, मनास विकास, साक्षी वेंसरवानी, शार्दुल सोनी, अविनाश केसरवानी, दिव्या सिंह एवं सुशील कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं की प्रतिभा को नई पहचान देने के साथ उन्हें आत्मविश्वास और बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

पुराने यमुना पुल के नीचे चला जागरूकता अभियान, ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन पांडे ने लोगों को दिए सड़क सुरक्षा के संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी स्थित पुराने यमुना पुल के नीचे सोमवार को ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन पांडे ने अपने हमराहियों के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना मानक (मॉडिफाइड) साइलेंसर वाली बुलेट मोटरसाइकिलों, हेलमेट के अनिवार्य उपयोग, तीन सवारी बैठाने और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक किया गया। इंस्पेक्टर पवन पांडे ने वाहन चालकों को समझाया कि तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसर न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि आम लोगों के लिए भी असुविधा का कारण बनते हैं। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हमेशा हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। अभियान के दौरान तीन सवारी बैठाकर चल रहे वाहन चालकों को रोककर उन्हें नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही नाबालिग वाहन चालकों और उनके अभिभावकों को भी समझाया गया कि कम उम्र में वाहन चलाना स्वयं और दूसरों की जान के लिए खतरा बन सकता है। स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन पांडे की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा, 'वे लोगों को दंड देने से पहले एक अभिभावक की तरह समझाते हैं। यदि ऐसे पुलिस अधिकारी हर जगह हों, तो सड़क दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आ सकती है।' इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना था।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में जिला/शहर कार्यालय पर मिसाइल मैन, भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने डॉ. कलाम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड जी ने कहा:'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी भारत के ऐसे राष्ट्रपति थे जो विज्ञान, शिक्षा और युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। उनका सादा जीवन और उच्च विचार हम सबके लिए आदर्श हैं। कांग्रेस पार्टी उनके सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।' शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद जी ने कहाःकलाम साहब ने पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया। एक शिक्षक, वैज्ञानिक और राष्ट्रपति के रूप में उनका योगदान अतुलनीय है। आज हमें उनके सपनों का भारत बनाने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा।'कार्यक्रम में उपस्थित रहेः जिला अध्यक्ष - रामराज सिंह गोंड शहर अध्यक्ष - हाजी फरीद अहमद पूर्व जिला उपाध्यक्ष - जगदीश मिश्रा पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केसरी, आरटीआई जिला अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा जिला महासचिव मोहन वियार जिला सचिव शीतला पटेल जिला सचिव मंजू देवी जिला सचिव रामविलास पनिका पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष दयाशंकर मौर्य व अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

नीट में अभिषेक यादव की शानदार सफलता से झूम उठा गांव,भव्य सम्मान समारोह में गूंजा ग्रामीण प्रतिभा ने बढ़ाया बलिया का मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नगरा (बलिया)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत डुमाडाइ भिटकुना निवासी मेधावी छात्र अभिषेक यादव ने प्रतिष्ठित नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने इसे ग्रामीण प्रतिभा की बड़ी जीत बताया। अभिषेक की सफलता पर देकवारी स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त सोमारी राम ने अभिषेक यादव तथा उनके पिता डॉ. राजाराम यादव को अंगवस्त्र, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सोमारी राम ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की ऐसी सफलता यह साबित करती है कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी ऊंचा मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभिषेक जैसे होनहार छात्र पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा हैं और उनकी उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों में भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का उत्साह बढ़ेगा। समारोह में उपस्थित लोगों ने अभिषेक को मिठाई खिलाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही समाज को नई दिशा देने का सबसे मजबूत माध्यम है और ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। कार्यक्रम में कृष्ण मुरारी पांडेय, अंकित कुमार, विपिन कुमार, रवि कुमार यादव, पप्पू यादव, भूपेंद्र यादव, सुशील कुमार, डॉ. राजेंद्र राम यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने अभिषेक यादव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। अभिषेक की इस शानदार सफलता से डुमाडाइ भिटकुना गांव में उत्सव जैसा माहौल है और लोग इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व एवं प्रेरणा का क्षण बता रहे हैं।

डीएपी, यूरिया की कालाबाजारी एवं जातीय जगणना को लेकर जन अधिकार पार्टी ने किया धरना-प्रदर्शन

रावट्सगंज/सोनभद्र। सोमवार को जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा जी एवं संस्थापक मा0 सांसद श्री बाबू सिंह कुशवाहा जी के निर्देशानुसार प्रदेश व्यापी कार्यक्रम के क्रम में जातीय जगणना, किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराए जाने सहित अन्य मांगो को लेकर जन अधिकार पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने जुलूस के शक्ल में नारेबाजी करते हुए जिला अधिकारी कार्यालय पहुंच नारेबाजी करते हुए महामहिम राष्ट्रपति महोदय भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी सोनभद्र को सौंपा। इस दौरान प्रदेश प्रमुख महासचिव (उ0 प्र0) डॉ भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि देश में अनेकानेक जातीय निवास करती है परन्तु कुछ जातियों को छोड़कर अधिकतर जातियों को आजादी के उन्यासी साल बाद भी उनको बराबरी का अधिकार नहीं मिल पाया इसलिए जन अधिकार पार्टी की चाहत है कि देश में जाती जनगणना कराकर प्रत्येक जाति को उसकी संख्या के अनुपात में जीवन के हर क्षेत्रों में उसकी हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाए जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति के होठों पर मुस्कान दिख सके। आगे श्री मौर्य ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी कंपनियों के हाथ कौड़ियों के भाव बेचा जा रहा है जिससे देश की अपूर्णीय क्षति हो रही है जिस पर तत्काल रोक लगाया जाए नहीं तो देश खोखला हो जाएगा। जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा की वर्तमान समय किसानों के खेती का प्रमुख समय है परंतु किसान डीएपी यूरिया के लिए दर दर की ठोकर खा रहा है साथ ही 1350 की डीएपी 2200 और 266 की यूरिया 400 से 600 में खरीदने को मजबूर है जिससे किसान कालाबाजारी का शिकार हो रहा है जिस पर तत्काल रोक लगाते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए जिससे किसानों का शोषण बंद हो सके।जिला महासचिव रविरंजन शाक्य एवं महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष कुसुम मौर्य ने कहा कि पेट्रोल - डीजल पर अधिरोपित टैक्स को केंद्र व राज्य सरकार कम करे जिससे पेट्रोल - डीजल सस्ता हो सके साथ ही बढ़ी हुई कीमतें वापस की जाए एवं सामान्य वर्ग की तरह पिछड़े वर्ग को भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाए।

प्रदर्शनकारियों ने सोनभद्र में आदिवासियों की जमीनों का अधिग्रहण कर प्राइवेट कम्पनियों को दिए जाने का जमकर विरोध करते हुए रोक लगाए जाने की मांग किया।

इस दौरान जिला महासचिव रविरंजन शाक्य, बलिराम मौर्य प्रधान, मनोज मौर्य, चंद्रमा सिंह, बिहारी सिंह, अवधेश सिंह, भागवत सिंह,जय सिंह मौर्य, बासुदेव सिंह, राकेश कुमार, रमाशंकर, अभय सिंह, सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की 11वीं पुण्यतिथि पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 7 यूनिट रक्तदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुल्तानपुर। भारत के महान वैज्ञानिक, युगदृष्टा शिक्षाविद, 'मिसाइल मैन', भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज ग्राम बजेठी, पोस्ट रामगंज, विकासखंड भदैया, तहसील सदर, जनपद सुल्तानपुर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायी रक्तदान शिविर में में कुल 7 रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान करने वालों में कुलदीप शर्मा, संदीप कुमार शर्मा बबलू, सतीश चंद्र बरनवाल, विपिन शर्मा, समरजीत शर्मा, बरमजीत शर्मा, मोहम्मद हफीज खान प्रमुख रूप से शामिल रहे। परीक्षण के बाद चार लोगों का हीमोग्लोबिन कम होने के चलते रक्तदान नहीं कर सके। सभी रक्तदाताओं को उनके इस मानवीय योगदान के लिए सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी घनश्याम शर्मा, शिवदयाल शर्मा, रंजीत शर्मा के साथ राम मूरत शर्मा, अमरजीत शर्मा, राकेश शर्मा, विश्वजीत शर्मा, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रक्त संग्रह करने का कार्य गोमती हॉस्पिटल सुल्तानपुर के डाक्टर सौरभ सिंह,आकाश सिंह, सद्दाम हुसैन ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए घनश्याम शर्मा ने कहा कि, 'रक्तदान महादान हैं। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल किसी का जीवन बचता है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।' कार्यक्रम के अंत में घनश्याम शर्मा ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं उपस्थित जनों का हृदय से अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करते हुए समाज के अधिकाधिक लोगों से नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के इस पुनीत अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्य स्मृति में आयोजित यह रक्तदान शिविर मानवता, सेवा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी संदेश देने में पूर्णतः सफल रहा।

सेक्टर-23 में एक सप्ताह से गंदे पानी की सप्लाई, आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण से लगाई समाधान की गुहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-23 के ए-ब्लॉक में पिछले करीब एक सप्ताह से गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति होने से स्थानीय निवासी परेशान हैं। आरडब्ल्यूए के अनुसार करीब 200 घर इस समस्या से प्रभावित हैं, जिससे लोगों को पीने और घरेलू उपयोग के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आरडब्ल्यूए के महासचिव जे.के. शर्मा ने बताया कि समस्या की शिकायत नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से कई बार की जा चुकी है। दो दिन पहले कुछ घरों में साफ पानी की आपूर्ति शुरू हुई, लेकिन अधिकांश घरों में अभी भी गंदा पानी पहुंच रहा है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष वी.के. शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि गंदे पानी के कारण विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है। उन्होंने नोएडा प्राधिकरण से समस्या का तत्काल स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

शांति एवं सुरक्षा समिति बैठकः सावन माह एवं कांवरिया यात्रा 2026

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बीते दिन नैनी थाना परिसर में आगामी पवित्र सावन मास और कांवरिया यात्रा के सुचारू संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सहायता को लेकर एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी श्री बृज किशोर गौतम जी द्वारा की गई, जिसमें नैनी क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक के मुख्य दिशा-निर्देश एवं निर्णय-

सेवा शिविर एवं सहायताः सभी प्रमुख चौराहों और मंदिरों के आसपास 5-5 सदस्यों की समर्पित टीमें तैनात की जाएंगी। ये टीमें भोले के भक्तों को जल, फल, पुष्प और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित कर उनकी सेवा करेंगी। यातायात प्रबंधनः सेवा कार्यों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि यातायात व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू और निरंतर बनी रहे, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। त्वरित सूचना तंत्रः किसी भी आपात स्थिति या आवश्यकता पड़ने पर तत्काल अपने नजदीकी पुलिस चौकी या चौकी प्रभारी को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख उपस्थिति-इस बैठक में नैनी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विभिन्न पुलिस चौकियों के प्रभारी अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिला अपराध निरोधक कमेटी यूथ टीम की ओर से प्रमुख भागीदारीः-1. श्री विमल सक्सेना (क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी) 2. श्री मोहम्मद अरशद, श्री मोहम्मद इमरान, एवं अन्य सम्मानित सदस्यगण व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर ने संविधान की शपथ लेकर मनाया 'संविधान मान स्तंभ दिवस', कारगिल शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रविवार को समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा रविवार को सेक्टर-37 स्थित अंबेडकर पार्क में 'संविधान मान स्तंभ दिवस' श्रद्धा, सम्मान एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित समाजवादी साथियों ने भारतीय संविधान की रक्षा, उसके मूल्यों के पालन तथा सामाजिक न्याय, समानता, लोकतंत्र और भाईचारे को मजबूत बनाने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की। शपथ ग्रहण के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 37 अंबेडकर पार्क से शांतिपूर्वक मार्च करते हुए कारगिल चौक पहुंचकर कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि 'भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा है। समाजवादी पार्टी संविधान के प्रत्येक सिद्धांत की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा।' और उन्होंने कहा कि आज के ही दिन महात्मा ज्योतिबा फुले जी द्वारा संकल्पित आरक्षण को कोल्हापुर के परम आदरणीय श्रीमंत महाराज राजश्री छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी एवं मुकेश यादव ने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि 'संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और न्याय प्रदान करता है। संविधान के मूल्यों की रक्षा करना हम सभी का नैतिक एवं राष्ट्रीय दायित्व है। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।' बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश सचिव उदय सिंह तथा उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि 'बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। संविधान में निहित सामाजिक न्याय, समान अवसर और भाईचारे के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। समाजवादी पार्टी इन्हीं आदर्शों के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।' कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. आश्रय गुप्ता, सुनील चौधरी, बबलू चौहान, गौरव कुमार यादव, मोहम्मद तसलीम, मुकेश यादव ,वीरपाल अवाना, ओमपाल राणा, रामवीर यादव, टीटू यादव, एडवोकेट गौरव यादव, लोकेश यादव, शेखर यादव, बाबूलाल बंसल, अमित बसोया, बबली शर्मा, रंजन कुमार, एडवोकेट अमित कुमार, सुभाष, रविंद्र गौतम, नवीन कुमार, मनोज गौतम, नीर अवाना, उदय सिंह, कृपा शंकर यादव, वीर बहादुर, मनोज, प्रेम, सागर, रोहित, देवपाल यादव, अली शेर, रंजीत पटेल, संतोष, कमल सिंह गौतम, नकुल चौहान एवं नजाकत अली सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

Gem of आधुनिक समाचार 2026

सम्मान समारोह हेतु संक्षिप्त परिचय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) श्रीमती अंजली सिंह एक समर्पित समाजसेवी एवं सफल उद्यमी हैं। आप वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहकर गरीब एवं जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग तथा सामूहिक विवाह समारोहों में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। आप इनर व्हील क्लब की सक्रिय सदस्य हैं तथा कैंसर चैरिटी ट्रस्ट के माध्यम से भी समाजहित में निरंतर सेवा कार्यों में अपना योगदान देती हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट कार्यों के लिए आपको The Women's Excellence Award से भी सम्मानित किया जा चुका है। समाज सेवा के साथ-साथ आप एक सफल बुटीक संचालिका भी हैं और अपने कार्य के माध्यम से अनेक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। ऐसी प्रेरणादायी समाजसेवी श्रीमती अंजली सिंह का हम हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं।

जीवन में फिटनेस का महत्व कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सोमवार को बलराम ग्रुप इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित

सिटीजन गर्ल्स कालेज में जीवन में फिटनेस का महत्व विषय पर कार्यक्रम कराया गया। इस कार्यक्रम में फिटनेस कोच ममता सिंह जी एवं धर्मेन्द्र सिंह जी नें जीवन में स्वास्थ्य का महत्व, जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव, नियमित व्यायाम के महत्व पर चर्चा किया। साहित्य सरोज पत्रिका के संपादक अखण्ड प्रताप सिंह जी ने छात्राओं के कौशल विकास के विषय पर चर्चा किया। महाविद्यालय की प्रबंधिका श्रीमती उमा सिंह जी (कार्यक्रम कीअध्यक्ष) ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए छात्राओं को शुभाशीष दिया । महाविद्यालय में होने वाले स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में डॉ मधुलिका सिंह (प्राचार्य), उमा लता पटेल (उप-प्राचार्य) एवं सहायक आचार्य डॉ शालिनी बेसेड़िया, डॉ. अंजुला तिवारी, अंजना गौड़, मनोज जी तथा सचिन श्रीवास्तव जी का सहयोग रहा।

पाकेट-7, सेक्टर-82, नोएडा में विकास कार्यों को मिली नई गति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रविवार को पाकेट-7 सेक्टर-82, नोएडा में अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे के नेतृत्व में विकास कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। सोसायटी की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। सोसायटी में साफ-सफाई की नियमित एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पार्कों की देखरेख और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे निवासियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। लंबे समय से चली आ रही सीवर लाइन और पेयजल संबंधी समस्याओं का भी सफलतापूर्वक समाधान किया गया है। इसके साथ ही सोसायटी के मुख्य प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रारंभ होने जा रहा है। आधुनिक एवं आकर्षक डिज़ाइन के साथ नया मेन गेट बनाया जाएगा, जो सोसायटी की पहचान को और अधिक भव्य बनाएगा। अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे ने कहा कि उनका उद्देश्य सोसायटी के प्रत्येक निवासी को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा पाकेट-7 को एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित करना है। विकास कार्य आगे भी इसी गति से जारी रहेंगे।

सोनांचल इंटर कॉलेज, घोरावल, सोनभद्र में पौध वितरण, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं संगोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला गंगा समिति, सोनभद्र के तत्वावधान में सोनांचल इंटर कॉलेज, घोरावल में पौध वितरण, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी श्री महेंद्र गौतम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, नदियों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक के उपयोग से बचने तथा जल एवं ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर हरित एवं स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला गंगा समिति, सोनभद्र एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक श्री ललितेश मिश्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें पौध वितरण, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं भंडारे का आयोजन भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि श्रीमती कविता यादव (जिला मीडिया प्रभारी, महिला मोर्चा, सोनभद्र) द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति निरंतर कार्य करने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्री काशी प्रसाद मौर्य, वन दरोगा, घोरावल रेंज श्री देवेंद्र कुमार, वन रक्षक श्री अभिलाष वर्मा, श्री प्रमोद (जेआरएफ, जिला पर्यावरण समिति), श्री अभिषेक यादव (गंगा वॉलंटियर) सहित विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्वापक नियंत्रण समिति की बैठक सम्पन्न

नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने एवं अवैध मादक पदार्थों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश,युवाओं को नशे से दूर रखने, अवैध खेती एवं तस्करी रोकने तथा विभागीय समन्वय से सख्त कार्रवाई पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्वापक नियंत्रण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, विभिन्न विभागों के समन्वय से प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा एनडीपीएस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने कहा कि नशे के विरुद्ध अभियान केवल कानून प्रवर्तन तक सीमित न रहकर जनसहभागिता एवं जागरूकता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि नारकोटिक्स से संबंधित अपराधों के विरुद्ध निरंतर विशेष अभियान चलाते हुए मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों के प्रभावी अनुश्रवण एवं विचाराधीन मुकदमों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों से समन्वय बनाए रखा जाए। बैठक में शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए गए कि विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाए तथा नशामुक्ति संबंधी शपथ, संगोष्ठी, रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि युवाओं में कोडीनयुक्त कफ सिरप, ट्रामाडोल एवं अन्य दर्द निवारक दवाओं के नशे के रूप में हो रहे दुरुपयोग को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग, औषधि विभाग एवं शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाएं। औषधि विक्रेताओं एवं आमजन को भी इस संबंध में जागरूक किया जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि एनडीएलसी लाइसेंसधारियों का आबकारी निरीक्षक एवं ड्रग निरीक्षक संयुक्त रूप से नियमित निरीक्षण करेंगे, जिससे मादक एवं नियंत्रित औषधियों के भंडारण एवं वितरण पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। साथ ही जनपद में नशीले पदार्थों की अवैध खेती एवं तस्करी पर प्रभावी निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया कि नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार, व्यसन मुक्ति एवं पुनर्वास के लिए प्रभावी कार्यक्रम तैयार कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके अतिरिक्त अंतर्राज्यीय सीमाओं से जुड़े जनपदों एवं पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ समय-समय पर समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्ययोजना के आधार पर एनडीपीएस से जुड़े मामलों में प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। बैठक में जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनपद में किसी भी प्रकार की अवैध मादक पदार्थों की खेती न होने पाए। इसके लिए नियमित निरीक्षण एवं सतत निगरानी रखी जाए तथा कहीं भी अवैध खेती पाए जाने पर तत्काल पुलिस विभाग को सूचना देकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण शासन, प्रशासन एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने दायित्वों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें, जिससे जनपद में मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके और युवाओं को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान किया जा सके।बैठक में पुलिस, आबकारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, कृषि, औषधि प्रशासन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार के प्रयासों से बदल गई सोनभद्र के स्कूलों की तस्वीर

900 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास से आसान हुई पढ़ाई, स्मार्ट क्लास से बच्चों का पढ़ाई के प्रति उत्साह काफी बढ़ा, विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा आदिवासी बाहुल्य सोनभद्र, स्मार्ट क्लास से बच्चों में बढ़ा पढ़ाई के प्रति उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से जनपद सोनभद्र के 10 विकास खंडों के 900 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित की जा रही हैं। इस पहल से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और रोचक शिक्षा उपलब्ध हो रही है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि संपर्क फाउंडेशन की एसटीवी डिवाइस में नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप एनसीईआरटी और एससीईआरटी से अनुमोदित शैक्षणिक सामग्री पहले से ही उपलब्ध रहती है। यह सामग्री आकर्षक एनीमेशन, चित्रों, वीडियो और गतिविधियों के माध्यम से तैयार की गई है, जिससे बच्चों की विषयों में रुचि बढ़ती है और कठिन अवधारणाएं भी आसानी से समझ में आ जाती हैं। इस डिवाइस के संचालन के लिए इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने बताया कि बच्चों को अब डिजिटल माध्यम से सीखने का अवसर मिल रहा है। शिक्षक भी कक्षा में ऑडियो-वीडियो सामग्री की सहायता से पढ़ाई को अधिक रोचक बना रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों की उपस्थिति, सहभागिता और सीखने की क्षमता पर भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लास शुरू होने के बाद बच्चों का पढ़ाई के प्रति उत्साह काफी बढ़ा है। एनीमेशन और दृश्य सामग्री के माध्यम से पढ़ाए जाने वाले पाठ बच्चों को लंबे समय तक याद रहते हैं। गणित, विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषय अब पहले की तुलना में अधिक सरल और मनोरंजक बन गए हैं। बच्चे भी पूरे मनोयोग से कक्षाओं में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया का आनंद उठाते हैं। स्मार्ट क्लास से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की शुरुआत-प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल सोनभद्र के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षकों और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिल रहा है, जिससे आने वाले समय में उनके शैक्षणिक स्तर में और अधिक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

शिव महापुराण कथा के शुभारंभ के साथ फेलिक्स हॉस्पिटल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

फेलिक्स हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की स्वास्थ्य जांच,251 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-20 स्थित श्री हनुमान मंदिर में रविवार से 10 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ हुआ। कथा के पहले दिन फेलिक्स हॉस्पिटल की ओर से श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डीके गुप्ता एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने पूजा-अर्चना और कलश पूजन के साथ किया। इसके बाद मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में 251 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। शोभायात्रा श्री हनुमान मंदिर से सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-19, डीएम चौक होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयघोष किए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। स्वास्थ्य शिविर में फेलिक्स हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने रक्तचाप, शुगर सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए और जरूरतमंदों को आगे के उपचार के लिए परामर्श दिया। फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डीके गुप्ता ने कहा कि अस्पताल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने की दिशा में भी निरंतर कार्य कर रहा है। धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं, ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं को इन आयोजनों से जोड़ना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। हमारा उद्देश्य है कि श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहें और समय पर जांच कराकर बीमारियों की पहचान कर सकें। वहीं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की आधारशिला है। फेलिक्स हॉस्पिटल भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाता रहेगा। अस्पताल समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और परामर्श उपलब्ध कराता है। अपस्ताल, शांभवी महामुद्रा ट्रस्ट और अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथा का वाचन एवं शिव महिमा का गुणगान शिव योगी श्रीमती कनक लता (कनक) द्वारा किया जा रहा है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधीर चंद्र पोरवाल ने बताया कि 4 अगस्त तक प्रतिदिन कथा का आयोजन होगा, जबकि 5 अगस्त को हवन और विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी सख्त, चिन्हित ब्लैक स्पॉट का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने राम वनगमन मार्ग स्थित चिन्हित ब्लैक स्पॉट धन्नी सकाढा का स्थलीय निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग हरबंश सिंह ने अवगत कराया कि सड़क सुरक्षा की दृष्टि से इस स्थान पर कर्व (मोड़) का चौड़ीकरण कराया जाना आवश्यक है।जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता,राम वनगमन मार्ग को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर कर्व के चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण कराया जाए, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, यातायात निरीक्षक एवं अधिशासी अभियंता,लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से राम वनगमन मार्ग पर चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉट–चरवा मोड़, हिनौता मोड़, रोही पुल सहित अन्य स्थानों पर सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल जंगल जमीन बचाओ आदिवासी संस्कृति को बचाने को लेकर भाकपा का जनसंगठन अखिल भारतीय आदिवासी महासभा का एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन चोपन में संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा उत्तर प्रदेश

की ओर से रविवार को चोपन बैरियर स्थित एक मैरिज हॉल में एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मलेन का नेतृत्व आर. के शर्मा ने किया।सम्मेलन में सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली के अलावा मध्य प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में नवगठित संगठनात्मक टीम का स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का संकल्प लिया गया। सम्मेलन में आगामी 1 सितंबर को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित राष्ट्रीय आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन जल, जंगल, जमीन, वन अधिकार अधिनियम-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन, पेसा कानून के पालन, आदिवासी धर्म को अलग पहचान तथा आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक की घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि डॉक्टर बनकर देश की सेवा का सपना देखने वाले कई छात्र इन घटनाओं से मानसिक रूप से आहत हुए हैं। सम्मेलन में ऐसे छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव सुखलाल गोरे ने कहा कि संगठन पूरे देश में आदिवासी समाज को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने का अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के तहत ग्राम सभा सर्वोच्च इकाई है और उसकी अनुमति के बिना आदिवासी क्षेत्रों की भूमि, जल, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े किसी भी निर्णय का अधिकार सरकार या प्रशासन को नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई राज्यों में ग्राम सभाओं के अधिकारों की अनदेखी कर कॉरपोरेट घरानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन, सामुदायिक वन अधिकारों की मान्यता, बंधुआ मजदूरी की रोकथाम तथा समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। राष्ट्रीय सदस्य समर शास्त्री ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, धर्म और पहचान पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने आदिवासी धर्म के लिए अलग धर्म कोड लागू करने की मांग करते हुए कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का उपासक है और उसकी आस्था जल, जंगल और जमीन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि पेसा एक्ट और वन अधिकार अधिनियम का पूरी तरह पालन कर पात्र आदिवासी परिवारों को उनके अधिकार दिए जाएं। उन्होंने बताया कि इन मांगों को लेकर 1 सितंबर को जंतर-मंतर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मध्य प्रदेश) के राज्य समिति सदस्य संजय नामदेव ने कहा कि सोनभद्र और सिंगरौली जैसे संसाधन संपन्न क्षेत्रों का प्राकृतिक दोहन तो हो रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों को उसका लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने स्थानीय युवाओं को उद्योगों और परियोजनाओं में प्राथमिकता से रोजगार देने, प्रदूषण रोकने, जंगलों की कटाई पर नियंत्रण तथा स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आदिवासी, किसान, मजदूर और नौजवान लोकतांत्रिक तरीके से संगठित होकर संघर्ष करेंगे तो सरकारों को उनकी मांगें माननी पड़ेंगी। संजय नामदेव ने यह भी आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, रोजगार और आजीविका से जुड़े बुनियादी मुद्दों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आदिवासी भूमि की सुरक्षा, जनगणना में आदिवासी समुदाय की सही गणना, स्थानीय युवाओं को रोजगार, सरकारी स्कूलों को सुदृढ़ करने तथा प्रवासी मजदूरों को न्याय और मुआवजा दिलाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि संगठन इन सभी मुद्दों पर आंदोलन जारी रखेगा। सम्मेलन के अंत में वक्ताओं ने सभी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, संगठन को मजबूत बनाने तथा 1 सितंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना अंतर्गत उच्च शिक्षा के शिक्षकों को रूपया 7.5 लाख तक के निःशुल्क उपचार हेतु कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के सम्बोधन का कलेक्ट्रट सभागार में हुआ सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रविवार को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ अनुबंध कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के 1.28 लाख से अधिक उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों एवं उनके परिवारों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद सोनभद्र के कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया।इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को रूपया 7.5 लाख तक के निःशुल्क कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान करने वाले चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन जनपद के उच्च शिक्षा के नोडल महाविद्यालय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

ओबरा के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गोड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कवच है, जिससे वे आर्थिक चिंता से मुक्त होकर पूर्ण समर्पण के साथ राष्ट्र निर्माण के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने शिक्षकों से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान भी किया। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि शिक्षक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह योजना शिक्षकों एवं उनके पात्र आश्रितों को सूचीबद्ध अस्पतालों में रूपया 7.5 लाख तक की कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी और वे अधिक उत्साह एवं समर्पण के साथ विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकेंगे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए प्रारम्भ की गई यह योजना अत्यंत सराहनीय एवं जनहितकारी है। इससे शिक्षकों एवं उनके पात्र आश्रितों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा आकस्मिक चिकित्सा व्यय का आर्थिक बोझ कम होगा। कार्यक्रम का सफल एवं गरिमामय संचालन जिला समन्वयक (महिला कल्याण) श्रीमती साधना मिश्रा द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला पंचायत सदस्य मोहन सिंह कुशवाहा, डा0 सुधीर कुमार मिश्रा, डा0 अजली विक्रम सिंह और जनपद के विभिन्न राजकीय एवं सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण तथा प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खाद की है पर्याप्त उपलब्धता, तकनीकी समस्या जल्द होगी दूर,वितरण संबंधी शिकायतों को लेकर डीएम सख्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रविवार को खरीफ

सीजन में किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सरकार के निर्देश पर जनपद सोनभद्र की सहकारी समितियों और अधिकृत खाद केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भंडारण कराया गया है, ताकि धान सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से खेती-किसानी को हर स्तर पर मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में खरीफ सीजन के लिए यूरिया, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सभी सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं पर नियमित निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि खरीफ फसल के लिए जनपद में यूरिया का कुल 11156 व फास्फेटिक का कुल 5697 मीट्रिक टन वितरण का लक्ष्य है। जबकि जुलाई माह में 3459 मीट्रिक टन यूरिया व 2894 मीट्रिक टन फास्फेटिक का वितरण करने का लक्ष्य है जिसके सापेक्ष 3315 मीट्रिक टन यूरिया व 3605 मीट्रिक टन फास्फेटिक का वितरण किया जा चुका है। बिक्री केंद्रों में 1168 मीट्रिक टन यूरिया व 1553 मीट्रिक टन फास्फेटिक का स्टाक है जबकि 4563 मीट्रिक टन यूरिया व 1535 मीट्रिक टन फास्फेटिक का बफर स्टॉक पीसीएफ है। उन्होंने बताया कि खाद वितरण के दौरान कुछ स्थानों पर तकनीकी खामी की सूचना मिली थी, जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही वितरण व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी किसान को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। अधिकारी समितियों का नियमित करें निरीक्षण.जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी सहकारी समितियों और उर्वरक विक्रेताओं पर नियमित निरीक्षण किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद का वितरण निर्धारित नियमों के अनुसार हो। यदि कहीं कृत्रिम अभाव पैदा करने, कालाबाजारी या ओवररेटिंग की शिकायत मिलती है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनपद के किसानों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार निकटतम सहकारी समिति या अधिकृत खाद केंद्र से ही उर्वरक प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है खरीफ सीजन के दौरान खाद की किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

चानू ने भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स का पहला गोल्ड दिलाया,190किग्रा वजन उठाया

लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं; ऋषिकांत और मुथुपांडी को सिल्वर

ग्लासगो। मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत

को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48किग्रा वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाया। भारतीय वेटलिफ्टर ने स्नैच में 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 105 किलो वजन उठाया। मीराबाई का यह लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गोल्ड है। उन्होंने 2018 के गोल्डकोस्ट और 2022 के बर्मिंघम गेम्स में भी गोल्ड जीता था। वे ग्लासगो गेम्स 2014 में सिल्वर भी जीत चुकी हैं। रविवार को ही ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 ḁ और राजा मुथुपांडी ने मेंस 65 ḁ वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल अपने नाम किए। ऋषिकांत ने 264किग्रा (121 प्लस 143) और राजा ने 286किग्रा (126 प्लस 160) वजन उठाया। झंडू कुमार ने शुक्रवार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। ग्लासगो गेम्स में भारत के अब 4 मेडल (1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। भारत मेडल टैली में आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 17 गोल्ड सहित 39 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है। चानू ने गेम्स रिकॉर्ड बनाया- टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई स्नैच के पहले प्रयास में 82 किलो वजन नहीं उठा पाईं। इसके बाद उन्होंने दूसरे में 82 और तीसरे में 85 किलो उठाकर कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बना दिया। चानू क्लीन एंड जर्क में भी पहला प्रयास चूक गईं। उन्होंने दूसरे प्रयास में 105 किलो उठाकर गोल्ड अपने नाम किया। ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स- यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स था। उन्होंने ग्लासगो में पुरुषों के 60किग्रा वेट में सिल्वर मेडल जीता। गोल्ड मलेशिया के अनीक कसदान के नाम रहा। इससे पहले वह बर्मिंघम 2022 में 55किग्रा वेट में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ऋषिकांत मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं। 2009 में मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी से शुरुआत की थी-मणिपुर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी और ऋषिकांत सिंह के शुरुआती कोच ब्रोजेंद्रो सिंह ने बताया कि ऋषिकांत ने 2009 में मणिपुर

स्पोर्ट्स अकादमी से वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) के सेंटर में हुआ। बाद में वे भारतीय नौसेना से जुड़े और वहां ट्रेनिंग लेने के बाद भारतीय सेना के स्पोर्ट्स सेट-अप का हिस्सा बने। ब्रोजेंद्रो सिंह ने बताया कि ऋषिकांत के परिवार में दो भाई हैं। उनके बड़े भाई भारतीय सेना में हैं। राजा मुथुपंडी का चोट के बाद शानदार वापसी, अब कॉमनवेल्थ में सिल्वर जीता- ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के राजा मुथुपंडी ने पुरुषों के 65किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 126किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 160किग्रा समेत कुल 286किग्रा वजन उठाया। यह भारत का दिन का तीसरा और वेटलिफ्टिंग में चौथा मेडल रहा। मलेशिया के अजनील बिन बिदिन मोहम्मद ने कुल 299किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही उन्होंने गोल्ड कोस्ट 2018, बर्मिंघम 2022 और अब ग्लासगो 2026 में लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गेम्स खिताब अपने नाम किया। 2019 में चोटिल हो गए थे राजा का करियर 2019 में कोहनी के लिगामेंट की गंभीर चोट से पटरी से उतर गया था। कोविड-19 के कारण उनकी वापसी में और देरी हुई। इसी दौरान जेरेमी लालरिनुंगा के उभरने से वह बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स नहीं खेल सके। 65किग्रा वेट कैटेगरी शुरू होने के बाद उन्होंने भारतीय टीम में वापसी की। 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप में 299किग्रा के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ नौवें स्थान पर रहे। अब ग्लासगो में सिल्वर जीतकर उन्होंने वापसी की कहानी को यादगार बना दिया। राजा के सिल्वर के साथ वेटलिफ्टिंग में भारत के चार मेडल हो गए हैं। टीम अब तक 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज जीत चुकी है। ग्लासगो में वेटलिफ्टिंग में 11 कोटा मिला- कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को वेटलिफ्टिंग के लिए 11 कोटा मिला है। डोपिंग रोधी नियमों (एडीआरवी) के कई उल्लंघनों के कारण यह संख्या 16 से घटकर 11 रह गई। वहीं, पीठ की चोट के कारण वेटलिफ्टर दिलबाग सिंह टीम का हिस्सा नहीं बन सके। बर्मिंघम गेम्स 2022 में 10 मेडल मिले थे- बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत के 15 वेटलिफ्टरों ने हिस्सा लिया था। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मेडल जीते थे। इनमें 3 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल थे। वेटलिफ्टिंग में मेडल कैसे जीतते हैं? वेटलिफ्टिंग में दो इवेंट होते हैं। स्नैच और क्लीन एंड जर्क दोनों में खिलाड़ी को बारबेल को जमीन से सिर के ऊपर तक उठाना होता है, लेकिन दोनों की तकनीक अलग होती है। 1. स्नैच : स्नैच में खिलाड़ी एक ही मूवमेंट में बारबेल को जमीन से उठाकर सीधे सिर के ऊपर ले जाता है। इस दौरान वह बारबेल के नीचे स्क्वाट की स्थिति में आता है और फिर खड़ा होकर वजन को नियंत्रित करता है। इस इवेंट में गति, संतुलन, ताकत और लचीलेपन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। 2. क्लीन एंड जर्क : यह इवेंट दो चरणों में पूरा होता है। क्लीनः खिलाड़ी बारबेल को जमीन से उठाकर अपने कंधों तक लाता है। जर्कः इसके बाद पैरों और कंधों की ताकत की मदद से बारबेल को सिर के ऊपर ले जाकर हाथ पूरी तरह सीधे करता है। विजेता कैसे तय होता है? दोनों इवेंट में खिलाड़ी को तीन-तीन प्रयास मिलते हैं। स्नैच और क्लीन एंड जर्क में सफल सबसे ज्यादा वजन को जोड़कर कुल वजन (टोटल) निकाला जाता है। सबसे अधिक कुल वजन उठाने वाला खिलाड़ी विजेता बनता है। उदाहरणः अगर किसी खिलाड़ी ने स्नैच में 120किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 151किग्रा वजन उठाया, तो उसका कुल 271किग्रा माना जाएगा। यही उसका आधिकारिक टोटल होता है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट खिलाड़ी, सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन

से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं। इंडिया बनाम ज़िम्बॉम्बे मैच के टॉप रिकॉर्ड्स-मोमेंट्सः-1. सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता- सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन

की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे। 2. सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच

जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय- सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। 3. सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी- सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई।

उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50 प्लस स्कोर बनाया था।

4. सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय-सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।-टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है। वे औसतन हर 5.21 बॉल पर छक्का लगाते हैं। बाकि खिलाड़ियों का रेशियो 7 से ऊपर है।

5. अभिषेक एक सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर-अभिषेक शर्मा ने इस सीरीज में सिर्फ 11 रन बनाए। वे तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर बन गए हैं। उन्होंने शिखर धवन का अनचाहा रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 19 रन बनाए थे। 6. मयंक यादव ने तीसरी बार पारी की पहली गेंद पर विकेट लिया- मयंक यादव टी-20 में पारी की पहली गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले भारतीयों में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार के रिकॉर्ड की बराबरी की। दोनों टी-20 में 3-3 बार यह कारनामा कर चुके हैं। 7. कप्तान सिकंदर रजा सातवीं बार शून्य पर आउट-सिकंदर रजा टी-20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। वे बतौर कप्तान 7वीं बार शून्य पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच 8 बार के साथ पहले स्थान पर हैं। यहां से टॉप मोमेंट्स-1. सूर्यवंशी ने पहली ही गेंद पर चौका लगाया-भारतीय पारी की पहली गेंद पर ही वैभव सूर्यवंशी ने चौका जड़ दिया। सिकंदर रजा ने फ्लाइटेड डिलीवरी डाली। सूर्यवंशी ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और शॉर्ट थर्ड मैन के पास से बाउंड्री के पार चली गई। 2. सूर्यवंशी ने 102 मीटर का छक्का लगाया- 13वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने सिकंदर रजा की गेंद पर छक्का लगाया। रजा ने ओवर की तीसरी गेंद छोटी लेंथ डाली। सूर्यवंशी ने थोड़ा आगे निकले और सामने की ओर 102 मीटर लंबा सिक्स जड़ दिया। 3. इवांस ने सूर्यवंशी का शानदार कैच पकड़ा- भारतीय पारी के 15वें ओवर में जिम्बाब्वे के फील्डर ब्रैड इवांस ने डाइव लगाकर शानदार कैच लपका।

वेस्ली मधेवेरे की आखिरी गेंद पर सूर्यवंशी ने सामने की ओर शॉट लगाया। टाइमिंग ठीक नहीं हुई और गेंद लॉन्ग-ऑफ की ओर गई। वहां मौजूद ब्रैड इवांस ने आगे की ओर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ लिया। 4. ईशान ने आसान कैच छोड़ा, फिर गेंदबाज से माफी मांगी- सातवें ओवर में भारतीय विकेटकीपर ईशान किशन ने आसान कैच छोड़ दिया। अशोक शर्मा के ओवर की दूसरी गेंद पर बेन करन ने स्लॉग शॉट लगाया।

बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर गेंद हवा में खड़ी हो गई। ईशान गेंद के नीचे आए। हालांकि गेंद उनके दस्तानों से छिटककर उनके सीने पर लगी और नीचे गिर गई। यह देखकर अशोक बेहद निराश हुए। इस दौरान ईशान ने हाथ दिखाकर गेंदबाज से माफी मांगी।

साइनसाइटिस बढ़ता हैं मानसून में, डॉक्टर से जानें, क्या है ये इन्फेक्शन, क्यों होता है, साथ ही इलाज, बचाव व सावधानियां

नयी दिल्ली। बारिश का मौसम गर्मी से राहत देता है, लेकिन कई स्वास्थ्य समस्याओं का रिस्क भी बढ़ा देता है। इन्हीं में से एक है साइनसाइटिस, यानी साइनस इन्फेक्शन। मानसून में बढ़ी नमी, फफूंदी, डस्ट माइट्स और वायरल इन्फेक्शन के कारण नाक और साइनस में सूजन की समस्या होने लगती है। कई बार लोग इसे सामान्य जुकाम समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि लंबे समय तक लक्षण बने रहने पर यह गंभीर रूप भी ले सकता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज साइनसाइटिस के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- मानसून में इसका रिस्क क्यों बढ़ जाता है? इससे बचाव के लिए क्या सावधानियां जरूरी हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. नईम अहमद सिद्दीकी, सीनियर कंसल्टेंट, ईएनटी स्पेशलिस्ट, हेड एंड नेक सर्जरी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- साइनस क्या होता है? जवाब- साइनस चेहरे की हड्डियों के अंदर मौजूद हवा से भरी छोटी-छोटी गुहाएं (खोखले स्थान) होती हैं। ये मुख्य रूप से नाक के आसपास और माथे के पीछे स्थित होती हैं। चार प्रमुख साइनस होते हैं- फ्रंटल साइनस- माथे के पीछे। मैक्सिलरी साइनस- गालों के पीछे। एथमोइड साइनस- आंखों के बीच। स्फेनॉइड साइनस- नाक के पीछे गहराई में। इनके ये काम हैं- सांस की हवा को नम और गर्म करना। खोपड़ी का वजन हल्का रखना। आवाज में गूंज (रेजोनेंस) देना। धूल और कीटाणुओं से सुरक्षा देना। सवाल- साइनस इन्फेक्शन या साइनसाइटिस क्या है? जवाब- साइनसाइटिस एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें नाक के आसपास मौजूद साइनस में इंफ्लेमेशन या इन्फेक्शन हो जाता है। आमतौर पर साइनस के अंदर हवा भरी रहती है, लेकिन इन्फेक्शन या एलर्जी के कारण इनमें बलगम भर जाता है और सूजन आ जाती है। अगर जुकाम के लक्षण ठीक होने के बजाय 10 दिन बाद भी बने रहें या पहले सुधार के बाद फिर बिगड़ जाएं, तो इसे सामान्य वायरल इन्फेक्शन मानकर नजरअंदाज न करें। ऐसे मामलों में डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। सवाल- साइनसाइटिस के लक्षण क्या हैं? ये कब गंभीर हो सकता है? जवाब- साइनसाइटिस के लक्षण व्यक्ति की उम्र, इन्फेक्शन के कारण और ड्यूरेशन पर निर्भर करते हैं। आमतौर पर इसके लक्षण नाक, चेहरे और सिर से जुड़े होते हैं। साइनसाइटिस के लक्षण कॉमन लक्षणः-नाक बंद रहना, गले में खराश/खांसी, गाढ़ा पीला/हरा बलगम, सूंघने स्वाद की क्षमता घटना, माथे,गाल या आंखों के पास दर्द, बुखार, थकान, सिरदर्द, चेहरे से में भारीपन, सांस में बदबू। गंभीर लक्षण- कई दिन तक तेज बुखार, चेहरे में तेज दर्द/सूजन, आंखों के आसपास सूजन, गर्दन अकड़ना, धुंधला या डबल विजन, सांस लेने में तकलीफ, बहुत तेज सिरदर्द, लक्षण 10-14 दिन से ज्यादा। सवाल- मानसून में साइनसाइटिस की समस्या क्यों बढ़ जाती है? जवाब- इसके कई कारण हैं-1. हवा में ज्यादा नमी, बारिश के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। इससे नाक और साइनस के अंदर बलगम ज्यादा बनने लगता है और उसका निकास रुक सकता है। बलगम का प्रोडक्शन ज्यादा होने से इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है।2. फंगल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन-मानसून में सीलन और गंदगी के कारण फफूंदी (मोल्ड) और बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। ये एलर्जी और साइनस इन्फेक्शन को ट्रिगर कर सकते हैं। 3. एलर्जी बढ़ना-धूल, परागकण, सीलन और फंगस के कण मानसून में ज्यादा फैलते हैं। जिन लोगों को एलर्जी होती है, उनमें नाक की सूजन बढ़ जाती है और साइनस ब्लॉक हो सकते हैं। 4. बार-बार वायरल इन्फेक्शन-इस मौसम में सर्दी-जुकाम और वायरल इन्फेक्शन अधिक होते हैं। जुकाम के बाद साइनस में सूजन से साइनसाइटिस विकसित हो सकता है। 5. तापमान में अचानक बदलाव-बारिश, ठंडी हवा, एसी और बाहर की नमी वाले वातावरण के बीच बार-बार आने-जाने से भी साइनस संवेदनशील हो जाते हैं। सवाल- मानसून में किन आदतों या गलतियों के कारण साइनसाइटिस ट्रिगर हो सकता है? जवाब- मानसून के दौरान कुछ डेली हैबिट्स साइनसाइटिस को ट्रिगर या ज्यादा खराब कर सकती हैं। जिन लोगों को एलर्जी, बार-बार जुकाम या पहले से साइनस की समस्या हो, उन्हें ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए। कौन-सी आदतें साइनसाइटिस ट्रिगर करती हैं- साइनसाइटिस के कॉमन ट्रिगर्सः- भीगकर गीले कपड़ों में रहना। भीगकर एसी/पंखे में बैठना। घर में सीलन और फफूंद। ज्यादा ठंडी चीजें खाना। जुकाम को इग्नोर करना। पानी कम पीना। धूल-धुएं में बिना मास्क जाना। बार-बार नेजल स्प्रे यूज करना। नींद पूरी न होना, कुछ लोगों को साइनसाइटिस का रिस्क ज्यादा होता है। इम्यूनिटी कमजोर होना। जिन्हें एलर्जी है। जिन्हें अस्थमा है। जिन्हें डायबिटीज है। जिन्हें जुकाम ज्यादा होता है। जिनके नाक में पॉलिप है। जिनके नाक की हड्डी टेढ़ी है। जो सिगरेट पीते हैं। जो पैसिव स्मोकर हैं। जो प्रदूषण में रहते हैं। जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। छोटे बच्चे और बुजुर्ग।

दुनिया के तीन बड़े नेताओं की गलतियां हमें क्या सिखाती हैं?

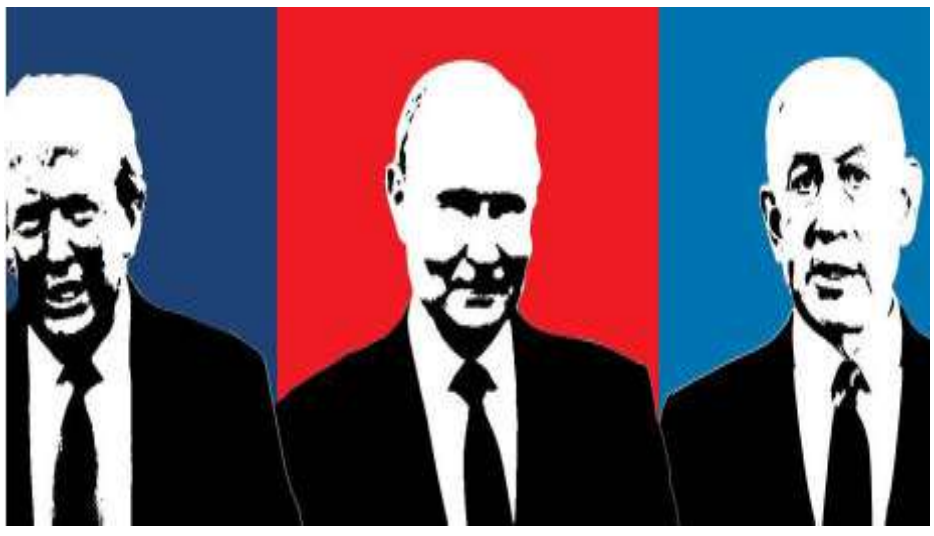

ट्रम्प, नेतन्याहू और पुतिन एक-दूसरे से बिल्कुल अलग व्यक्तित्व वाले नेता हैं, लेकिन उनमें एक समानता है- तीनों को मोसाद को बुलाइए। पर यदि आपको बेरूत या तेहरान के राजनीतिक-सामाजिक रुझानों को समझना हो, तो उसके पास की सरकार गिर जाएगी और उसकी जगह अच्छे लोग सत्ता सम्भाल लेंगे, तो ट्रम्प ने इसे गम्भीरता से ले लिया। उन्होंने नहीं हुए हैं। ट्रम्प ने बिना किसी सहयोगी, बिना अंतरराष्ट्रीय वैधता और बिना वैकल्पिक योजना के ईरान पर हमला करने

यह गलतफहमी है कि किसी भी सभा में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वही होते हैं। तीनों ने अपने आसपास चाटुकारों की फौज इकट्ठा कर रखी है, इसलिए वे ऐसे युद्धों में उलझ गए हैं, जिनसे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिखता।

सबसे पहले नेतन्याहू की बात करें। अपना संतुलन खो देने- और अपने साथ मोसाद के नेतृत्व को भी उसी दिशा में ले जाने का संकेत उनके दो फैसलों में स्पष्ट दिखाई देता है। पहला, यह मान लेना कि इजराइल केवल हवाई हमलों से तेहरान की सत्ता को गिरा सकता है। दूसरा, यह विश्वास करना कि वह ईरान का अगला नेता चुन सकता है। 1982 में मैंने देखा था कि किस तरह लेबनान की ईसाई मिलिशिया ने मोसाद को यह विश्वास दिला दिया था कि एक त्वरित सैन्य अभियान के जरिए इजराइल बेरूत में फिलिस्तीन-विरोधी नेता बशीर गेमायेल को राष्ट्रपति बना सकता है। तभी से मोसाद के बारे में मेरी यह धारणा रही है कि यदि आपको बेरूत या तेहरान में किसी की हत्या करानी हो, तो मत जाइए। जिस कारण वह पहले काम में माहिर है, वही उसे दूसरे काम में कमजोर बनाता है।मोसाद इजराइल के दुश्मनों का पता लगाकर उनका खात्मा करने में बेहद सक्षम है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि वह लेबनान, ईरान, वेस्ट बैंक और अरब जगत के अन्य हिस्सों में असंतुष्ट नागरिकों की भर्ती करने में सिद्धहस्त है। समस्या यह है कि यही लोग अकसर अपनी सरकार की कमजोरी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं और यह आभास देते हैं कि उसे गिराना आसान होगा। परिणाम यह होता है कि ट्रम्प जैसे व्यक्ति- जिन्हें इतिहास की समझ नहीं है- यह मान बैठते हैं कि यदि मोसाद हत्याएं करने में सक्षम है, तो वह यह अनुमान लगाने में भी उतना ही सक्षम होगा कि उनके मारे जाने के अगले दिन क्या होने वाला है। यही वजह है कि फरवरी में व्हाइट हाउस में हुई बैठक के दौरान जब नेतन्याहू और मोसाद चीफ डेविड बरनिया ने कहा कि यदि इजराइल और अमेरिका मिलकर ईरान के शीर्ष नेताओं की हत्या कर दें तो वहां मान लिया कि ईरान भी उसी तरह उनके हाथ आ जाएगा, जैसे वेनेजुएला आ गया था।

ट्रम्प और नेतन्याहू अकेले ऐसी गफलतों के शिकार नहीं हैं। पुतिन ने भी अपनी ही बनाई इस धारणा पर यकीन कर लिया कि यूक्रेन के लोग फिर से 'मदर रशिया' का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं और कीव की सरकार आसानी से गिर जाएगी। पुतिन की सबसे बुनियादी भूल यह मान बैठना था कि यूक्रेनी और रूसी एक ही लोग हैं और यूक्रेन की स्वतंत्रता केवल पश्चिम द्वारा गढ़ी गई कृत्रिम अवधारणा है। ईरान के मामले की ही तरह रूसी खुफिया एजेंसियां भी उन रूस-समर्थक स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर रहीं, जिन्होंने मॉस्को को वही बताया जो वह सुनना चाहता था, बजाय इसके कि वे वास्तविकता का आकलन प्रस्तुत करते। नेतन्याहू ने हमास, हिजबुल्ला और तेहरान के खिलाफ सामरिक स्तर पर भले ही सफलताएं हासिल की हों, लेकिन वे उन्हें इजराइल के लिए किसी नई रणनीतिक वास्तविकता में बदलने में सफल का निर्णय लेकर अमेरिका को कमजोर और अलग-थलग कर दिया। साथ ही उन्होंने ईरान को दो ऐसे सस्ते और प्रभावी तरीकों का महत्व समझा दिया, जिनसे वह व्यापक व्यवधान पैदा कर सकता है- पहला, होर्मुज पर नियंत्रण; और दूसरा, अमेरिका के खाड़ी स्थित सहयोगी देशों को निशाना बनाना। और पुतिन रूस के कमजोर लोकतंत्र को एक पुलिस-स्टेट में बदल चुके हैं, जिसकी अर्थव्यवस्था पेट्रोलियम पर निर्भर है। आज एआई क्रांति में रूस कहीं दिखाई नहीं देता। ये तीनों नेता एक ऐसी बंद गली में पहुंच चुके हैं, जहां से निकलने के लिए वे बमबारी का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प, नेतन्याहू और पुतिन- तीनों को यह गलतफहमी है कि किसी भी सभा में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वही होते हैं। तीनों ने अपने आसपास चाटुकारों की फौज इकट्ठा कर रखी है, इसलिए वे ऐसे युद्धों में उलझ गए हैं, जिनसे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिखता। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,थॉमस एल. फ्रीडमैन)

एंटरटेनिंग आंत्रप्रेन्योर बोरियत को भी बिजनेस में बदल देते हैं

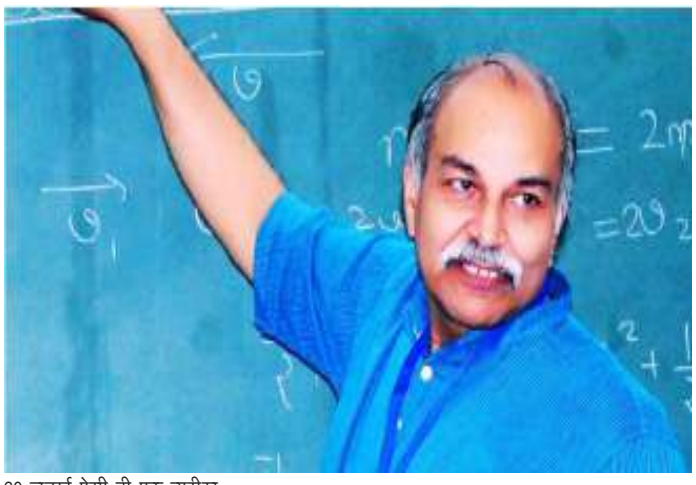

जिंदगी जब ठहर-सी जाए, एंग्जायटी बढ़ने लगे और आप खुद को चारदीवारी में फंसा महसूस करें कहानी आज होस्टल के कमरे में बैठे किसी युवा के लिए बेहतरीन सीख है। यह साबित करती है कि समय में मन को थोड़ी-सी खुशी देने का जरिया था। जैसे वनीला आइसक्रीम में चॉकलेट मिलाई जाती किए तो वे इंटरनेट पर देखे जाने लगे। लोगों का जबरदस्त इंगेजमेंट मिला। अनजान भी पूछने लगे कि

तो आप क्या करते हैं? मैं यह स्थिति अकसर विश्वविद्यालयों के नए स्टूडेंट्स, खासकर होस्टलर्स में देखता हूं, जिन्हें समझ नहीं आता कि रविवार को नए शहर में आखिर क्या करें। सबसे पहले उन्हें यही लगता है कि यहां से भाग छूटें। वे बिना सोचे-समझे अंतहीन वीडियो स्क्रॉल करते हैं, आंखें दुखने तक बिंजवॉच करते हैं या फिर वीडियो गेम्स में खो जाते हैं। इससे उन्हें कुछ समय की राहत तो मिलती है, लेकिन आखिर में वे खालीपन महसूस करते हैं। संक्षेप में, वे एंटरटेनमेंट को कंज्यूम तो करते हैं, लेकिन शायद ही उसे क्रिएट करने का सोचते हैं। लेकिन क्या हो अगर बोरियत दूर करने का आपका कोई साधारण तरीका, कोई लेट-नाइट स्ट्रेस-रिलीफ डूडल या पालतू डॉग से जुड़ा कोई मजाक ही करोड़ रुपए के ग्लोबल स्टार्टअप का बीज बन जाए? लखनऊ की बहनों, मृणालिनी मित्रा (27) और न्योनिका (26) की यह असाधारण जब आप एंटरटेनमेंट को इनोवेशन की भावना से देखते हैं तो लिविंग रूम में किया साधारण काम भी ग्लोबल बिजनेस में बदल सकता है। कुछ साल पहले मृणालिनी और न्योनिका वहीं खड़ी थीं, जहां पहुंचने का सपना भारत के कई महत्वाकांक्षी युवा देखते हैं। मृणालिनी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट थीं और न्योनिका ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डिग्री ली थी। विदेशों में प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट इंटर्नशिप और शानदार ग्लोबल कॅरिअर उनका इंतजार कर रहे थे। तभी उन्होंने सुना कि उनकी मां को कैंसर है तो यह उनके लिए बड़ा सदमा था। एक पल भी सोचे बिना दोनों बहनें सारे प्लान छोड़कर मां की देखभाल के लिए लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित घर लौट आईं। घर का माहौल भारी था और दोनों पर बेहद भावनात्मक दबाव था। इससे निपटने के लिए परिवार ने एक नियम बनाया कि हर रविवार बोर्ड गेम्स खेले जाएंगे। यह कठिन है, वैसे ही जब दोनों बहनों ने एंटरटेनमेंट में इनोवेशन को मिलाया तो उनकी साधारण पारिवारिक कहानी उद्यमिता की मिसाल बन गई। ज्यादातर लोग बस बाजार से कोई साधारण-सा बोर्ड गेम खरीद लेते हैं। लेकिन मित्रा बहनों ने एंटरटेनमेंट के साथ इनोवेशन करने का फैसला किया और अपनी एक दुनिया बनाने की ठानी। कठिन हालात में घर में खुशी के पल लाने वाले अपने पालतू डॉग 'यासु' से प्रेरित होकर बहनों ने कुछ कैरेक्टर्स की स्केचिंग शुरू की। खाली कार्ड्स पर पौराणिक कथाएं, हाथ की चित्रकारी, ओरिजिनल म्यूजिक और निजी किस्से पिरोए। शुरुआत में यह सिर्फ तनाव दूर करने की थैरेपी जैसा था, ताकि वे एक-दूसरे को हंसा सकें और रोजमर्रा में खुशी से जुड़े रहें। उन्होंने कोई बिजनेस प्लान नहीं बनाया। बस, थोड़ा मजा करने का बेहतर तरीका ईजाद किया। लेकिन जब उन्होंने हाथ से बनाए कैरेक्टर्स यूट्यूब पर शेयर यह गेम कहां से खरीद सकते हैं।इसी पल बहनों को एहसास हुआ कि उनके निजी स्ट्रेस-बस्टर में कारोबारी संभावना भी है। ऐसे समय में जब टेक स्टार्टअप लागत बचाने के लिए एआई-जनरेटेड आर्टवर्क इस्तेमाल कर रहे हैं, इन बहनों ने एक साहसिक और उम्मीदों के विपरीत राह चुनी- हर चित्र अपने हाथों से बनाया। इस महीने की शुरुआत में उनके इस 'लिविंग रूम स्ट्रेस-बस्टर' ने एक लाख डॉलर (करीब 95.45 लाख रुपए) से ज्यादा का रेवेन्यू कमाया। 40 देशों में इस गेम के खरीदार हैं।फंडा यह है कि जब आप अपने फन को इनोवेटिव बनाते हैं, विचारों को डॉक्यूमेंट में उतारते हैं और उन्हें ऑनलाइन शेयर करते हैं, साथ ही मानते हैं कि आपकी कल्पना महज समय बिताने का साधन नहीं बल्कि एक संभावित सम्पत्ति है तो कोई साधारण-सा खेल भी ग्लोबल बिजनेस का बीज बन सकता है।एन. रघुरामन

नेकी लौटती है, हम तक नहीं तो हमारे बच्चों तक पहुंचती है

कुछ तारीखें अविस्मरणीय बन जाती हैं, इसलिए नहीं कि उस दिन कुछ खास घटित हुआ था बल्कि इसलिए कि वे समाज में नेकी का एहसास कराती हैं।

20 जुलाई ऐसी ही एक तारीख है। आप यह पढ़कर जो घटनाक्रम याद कर रहे हैं, उस पर मैं बाद में आऊंगा। लेकिन उससे पहले मैं आपको आईआईटी कानपुर में 20 जुलाई 2024 के दिन पर लेकर चलता हूं। दरअसल, इस कहानी की शुरुआत बहुत पहले हुई थी। इसके बीज पद्मश्री से सम्मानित और फिजिक्स के जाने-माने शिक्षक प्रो. एच.सी. वर्मा ने बोए थे, जो मानते थे कि कोई छोटा-सा योगदान भी असाधारण बदलाव ला सकता है। आईआईटी कानपुर में प्रोफेसर एमेरिटस रहे प्रो. वर्मा ने 1994 से 2017 तक वहां फिजिक्स पढ़ाई और बाद में कैंपस के ऑपर्च्युनिटी स्कूल में स्पेशल एडवाइजर के तौर पर सेवा दी। 1964 में स्थापित यह स्कूल समीप ही रहने वाले कैंपस के सपोर्टिंग स्टाफ और आसपास के जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देता आ रहा है। इनमें से कई बच्चे भूखे स्कूल आते थे। कुछ असेंबली में बेहोश हो जाते थे। कुछ का पढ़ाई में मन नहीं लगता या वे स्कूल ही नहीं आते थे, क्योंकि भूखे पेट पढ़ाई नामुमकिन है। प्रो. वर्मा इसे बदलना चाहते थे।उनके मन में एक एनजीओ के जरिए बच्चों को पौष्टिक भोजन मुहैया कराने का विचार पहली बार 2017 में आया, लेकिन फंडिंग को लेकर मतभेद के कारण सिरे नहीं चढ़ पाया। 2024 में यह विचार फिर चर्चा में आया तो दूसरी बाधा थी कि एनजीओ ने जितने स्टूडेंट मांगे, उतने स्कूल में थे ही नहीं। लेकिन हार मानने के बजाय आईआईटी समुदाय ने खुद रास्ता खोजा।एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर टी.के. गुहा, जो हॉल-5 के वार्डन भी थे, ने मेस मैनेजर अंशु जोशी के साथ मिलकर एक सरल-सा समाधान निकाला कि हॉल-5 का हर स्टूडेंट अपनी पॉकेट मनी से हर हफ्ते सिर्फ 5 रुपए देगा। और 20 जुलाई 2024 को बच्चों को पहला भोजन परोसा गया। जो शुरुआत में छोटा-सा प्रयोग लग रहा था, जल्द ही एक मुहिम बन गई। नवंबर 2024 तक हॉल 1, 3 और 8 के साथ गर्ल्स हॉस्टल-1 भी इसमें जुड़ गया, ताकि हर हफ्ते बच्चों को स्कूल के सभी पांचों दिन पौष्टिक खाना मिल सके। जैसे-जैसे यह बात स्टूडेंट्स जिमखाना और हॉस्टल अफेयर्स की काउंसिल ऑफ स्टूडेंट्स के जरिए फैली, और स्टूडेंट इसमें जुड़ते गए। आज आईआईटी, कानपुर के 1,649 छात्र हर हफ्ते 5 रुपए का योगदान देते हैं। इसका अर्थशास्त्र बेहद आसान है। करीब 250 बच्चों को एक समय का पौष्टिक भोजन कराने में लगभग 3 हजार रुपए खर्च होते हैं, यानी हर छात्र के मेस बिल में महीने के सिर्फ 20 रुपए अतिरिक्त जुड़ते हैं। चावल, गेहूं, चना और राजमा जैसी चीजों की थोक खरीदी के कारण लागत कम होती है और यह कार्यक्रम टिकाऊ बना रहता है।लेकिन इसके असल फायदों को पैसों में नहीं मापा जा सकता। शिक्षकों ने देखा कि बच्चे अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान और अटेंटिव हो गए। उनकी अटेंडेंस में सुधार और वे खुश रहने लगे। सबसे अहम आईआईटी स्टूडेंट्स ने वो सबक सीखा, जो कोई किताब नहीं सिखा सकती- यदि अपने हिस्से का छोटा-सा हिस्सा भी बांटें तो यह दूसरों की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। अब 20 जुलाई 2026 पर लौटते हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों तक देशभर से अनजान लोगों ने भोजन पहुंचाया। कोई नहीं जानता, किसने उसका पैसा दिया। भोजन भेजने वालों को भी नहीं पता कि किसने उसे खाया। लेकिन चुपचाप, बिना किसी प्रचार के भोजन पहुंचता रहा, मानो करुणा ने खुद अपना रास्ता खोज लिया हो। इन दोनों कहानियों में बहुत सारी समानताएं हैं। शायद अच्छाई भी ऐसे ही काम करती है। हम जो भलाई करते हैं, शायद

हमें कभी भी वह उसी रूप में वापस नहीं मिलती।

कई बार उसका फल हमें सीधे नहीं मिलता। लेकिन कहीं पर, किसी दिन वह किसी जरूरतमंद तक पहुंचता जरूर है- शायद खुद हमारे बच्चों तक या भावी पीढ़ी तक। फंडा यह है कि दया से भरे छोटे-से काम को भी कमतर न समझें। अच्छे कर्मों का लौटकर आने का अपना तरीका होता है। अगर वे सीधे हम तक नहीं पहुंचते तो हमारे बाद आने वाली पीढ़ी के जीवन में लौटते हैं। एन. रघुरामन

चंद महीनों के युद्ध से कई देश एक दशक पीछे चले गए हैं

ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के बार-बार शुरू होने, रुकने वाले युद्ध के तेल बाजारों पर असर पर विचार करें। हालांकि युद्ध शुरू होने के बाद से वे अत्यधिक अस्थिर रहे हैं, शुरुआत तक, अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक युद्धविराम समझौते के बाद, क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था- जो लगभग उस स्तर पर था, जहां यह युद्ध शुरू होने विकसित अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी वृद्धि में मामूली मंदी का अनुमान लगाता है, जो 1.7फीसदी है। वहीं अमेरिका के 2.3फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। ओईसीडी

लेकिन उनके उतार-चढ़ाव ने मांग और आपूर्ति के बजाय बदलती धारणाओं और अपेक्षाओं को प्रतिबिम्बित किया है- जो अकसर ट्रम्प की सोशल मीडिया पोस्टों से आकार लेती हैं। निश्चित रूप से, ईरान द्वारा होर्मुज को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा आई। लेकिन शिपिंग की दूरी और परिवहन में देरी का मतलब था इसका प्रभाव उपभोक्ताओं और उत्पादकों को तुरंत महसूस नहीं हुआ। फिर भी, विरोधाभासी आधिकारिक घोषणाओं के बार-बार बाजार की उम्मीदों को बदलने के कारण तेल और गैस की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव हुआ। जुलाई की से पहले फरवरी में था। लड़ाई फिर से शुरू होने पर भी अब तक कीमतों में केवल मामूली वृद्धि ही हुई है। वैश्विक ऊर्जा की कीमतों में अस्थिरता के बावजूद, अमेरिकी शेयर बाजारों ने अप्रैल और जून के बीच 2020 के बाद से अपनी सबसे अच्छी तिमाही दर्ज की और जुलाई की शुरुआत में बढ़ना जारी रखा। इस तेजी का नेतृत्व एआई शेयरों ने किया, जिसे इस विश्वास से बल मिला कि एआई उत्पादकता और आर्थिक विकास में अभूतपूर्व लाभ प्रदान करेगा। कुछ हद तक, यह समृद्ध देशों में आर्थिक गतिविधि पर युद्ध के अपेक्षाकृत सीमित प्रभाव को दर्शाता है। आईएमएफ अर्थव्यवस्थाओं में, बेरोजगारी दर अप्रैल में 5फीसदी थी, जो फरवरी 2022 से लगभग अपरिवर्तित है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं के इस लचीलेपन का श्रेय काफी हद तक एआई और क्रिप्टोकरेंसी निवेश में हालिया उछाल को दिया जा सकता है। कई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं- विशेष रूप से चीन, ताइवान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया को भी इससे लाभ हुआ है। वित्तीय बाजारों की वर्तमान आत्मसंतुष्टि इस व्यापक धारणा से और मजबूत हुई है कि दोनों पक्षों की आक्रामकता के बावजूद ईरान के साथ युद्ध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है, या यह केवल एक कम-तीव्रता वाले संघर्ष के रूप में जारी रहेगा, जो होर्मुज से आंशिक आवागमन की अनुमति देता है। फिर भी यह आत्मविश्वास युद्ध के दीर्घकालिक आर्थिक परिणामों को अनदेखा करता है। युद्धविराम के बावजूद, खाड़ी से तेल का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर से काफी नीचे रहा। और भले ही निर्यात पूरी तरह से ठीक हो जाए, निम्न-आय वाले देश आने वाले वर्षों तक आज के ऊर्जा-संकट की लागत वहन करते रहेंगे। सबसे अधिक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उप-उत्पादों में उर्वरक शामिल हैं, जो कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन का अनुमान है कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक उर्वरक की कीमतों में 15-20इ की वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप, किसानों को- विशेषकर निम्न-आय वाले देशों में उर्वरक की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ सिंचाई और परिवहन के लिए ईंधन की उच्च लागत से भी जूझना होगा। खाद के उपयोग में मामूली कमी भी फसल उत्पादन में भारी गिरावट ला सकती है। विश्व बैंक का अनुमान है कि चीन और भारत को छोड़कर, विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति आय का अंतर महामारी से पहले के स्तर पर 2028 के बाद तक वापस नहीं आएगा। विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति आय का अंतर महामारी से पहले के स्तर पर 2028 के बाद तक वापस नहीं आएगा। ग्लोबल साउथ के कई देशों ने युद्ध से एक पूरा दशक गंवा दिया है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,जयती घोष)

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक

कनाडा में पंजाबी युवती की हत्या, आरोपी ने पहले बात की, फिर करीब से गोली मार दी

परिवार बोला- डरकर कुछ दिन पहले पंजाब आई थी

अमृतसर। पुलिस के अनुसार, वारदात से पहले आरोपी और नवनीत कौर के बीच कुछ देर बातचीत हुई।

इसके बाद उसने युवती पर गोली चला दी। सूचना मिलते ही आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आरोपी वहां से भागा, ब्रैम्पटन का रहने वालाः वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। बाद में ओंटारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ब्रैम्पटन का रहने वाला है। उसे 25 जुलाई 2026 को ओंटारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस में पेश किया गया।टारगेट किलिंग का मामला, जांच की जा रहीः पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह टारगेटेड शूटिंग (निशाना बनाकर किया गया हमला) प्रतीत होती है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की वजह या आरोपी और मृतका के रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। मामले की जांच जारी है। परिवार का दावा- शादी के लिए बना रहा था दबाव- जर्मनी में रह रहे मृतका के अमृतसर निवासी चचेरे भाई मलकीत सिंह ने बताया कि नवनीत और आरोपी पहले एक ही जगह काम करते थे और एक-दूसरे को जानते थे। हालांकि, दोनों के बीच किसी तरह का प्रेम संबंध नहीं था। परिवार के मुताबिक, आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। इसके बावजूद वह लगातार अपनी पत्नी को तलाक देकर नवनीत से शादी करने का दबाव बना रहा था। युवती द्वारा इनकार करने पर उसने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। कनाडा पुलिस और आरोपी के परिवार से भी की थी शिकायत- परिजनों का दावा है कि नवनीत ने आरोपी की हरकतों की शिकायत कनाडा पुलिस से भी की थी। इसके अलावा भारत में आरोपी के परिवार से संपर्क कर बताया गया था कि उनका बेटा युवती को लगातार परेशान कर रहा है। परिवार के अनुसार, आरोपी के परिजनों ने भी माना था कि वे खुद उसके व्यवहार से परेशान हैं। उनका कहना है कि यदि शिकायत को समय रहते गंभीरता से लिया जाता और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती, तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था।डर के कारण दो-तीन महीने पहले भारत आई थी-परिजनों के मुताबिक, आरोपी की लगातार हरकतों से परेशान होकर नवनीत करीब दो-तीन महीने पहले भारत आई थी। उसने कुछ समय पंजाब में अपने परिवार के साथ डर के माहौल में बिताया और बाद में वापस कनाडा लौट गई थी। परिवार का कहना है कि वह अच्छी नौकरी कर रही थी और अपने करियर पर ध्यान दे रही थी। पुलिस ने लोगों से मांगी मदद- टोरंटो पुलिस ने घटना से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी रखने वाले लोगों से आगे आने की अपील की है। पुलिस ने आसपास के इलाके की सीसीटीवी और डैशकैम फुटेज रखने वाले लोगों से भी जांच में सहयोग करने को कहा है। इसके अलावा, क्राइम स्टॉपर्स के जरिए भी सूचना देने की अपील की गई है। टोरंटो पुलिस के मुताबिक, यह वर्ष 2026 में शहर का 22वां हत्या का मामला है।

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भेजे जाएंगे नोटिस

नयी दिल्ली।व्यंग्य, आपसी सहयोग, डिजिटल नेटवर्क, चौबीसों घंटे ऑनलाइन सक्रियता व महिला सुरक्षा जैसे पहलुओं ने इसे बाकी आंदोलनों से अलग

बनाया। हालांकि, आखिर के दिनों में कुछ ऐसी घटनाएं भी हुईं, जिन्होंने सवाल भी खड़े किए। इन चार नए ट्रेंड्स ने आंदोलन की तस्वीर बदली-चंदा नहीं, एप पर मददः इस आंदोलन में मदद का तरीका भी बदला। पारंपरिक आंदोलनों की तरह नकद चंदा या लंगर कम दिखे। देश-विदेश से लोगों ने स्विगी और जोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए खाना, दवाइयां और दूसरी जरूरत की चीजें सीधे प्रदर्शन स्थलों पर भेजीं। वहां बने एसओएस हेल्प डेस्क पर इनका रिकॉर्ड रखा जाता। सिर्फ अपना नहीं, साथी का भी ध्यानः जंतर-मंतर पर इस तपती गर्मी में छात्र सिर्फ नारे नहीं लगा रहे थे। कोई अपने साथी को हाथ पंखा झल रहा था तो कोई पानी पिला रहा था। मेडिकल टीम के साथ छात्र लगातार जरूरतमंद छात्रों की मदद करते दिखे। महिला सुरक्षा सबसे बड़ी ताकत बनीः आंदोलन में बड़ी संख्या में युवतियां मौजूद रहीं। कई छात्राओं ने कहा कि यहां युवकों के बीच होने के बावजूद सुरक्षित महसूस किया। आंदोलन में छेड़छाड़ या महिला उत्पीड़न जैसी कोई शिकायत नहीं आई। यह आंदोलन के सबसे सकारात्मक पहलू में से एक रहा। इंटरनेट सबसे बड़ा सहाराः नेट बाधित होने के बावजूद आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत डिजिटल माध्यम ही रही। मीम्स, रील्स, लाइव स्ट्रीम, एक्स पोस्ट व इंस्टा अपडेट्स के जरिए हर जानकारी देशभर में पहुंचती रही। आंदोलन केवल जंतर-मंतर पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर लगातार जीवित रहा। इन तीन बातों ने आंदोलन पर सवाल भी छोड़ा-असामाजिक तत्व आंदोलन के आखिरी दिनों में कुछ ऐसे लोग भी आए, जिनका छात्रों से संबंध नहीं था। जैसे ही फूड डिलीवरी पार्टनर पहुंचते, वे लोग खाने के पैकेटों पर टूट पड़ते। इससे व्यवस्था प्रभावित हुई। प्रशासन के लिए समुचित व्यवस्था नहीं शुरू में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी छात्रों के साथ ही भोजन खाते थे। 20 जुलाई की लाठीचार्ज के बाद यह बंद हो गया। उनके लिए अलग से भोज की व्यवस्था नहीं दिखी। जश्न के बीच हिंसा ने धूमिल की छवि आंदोलन शांतिपूर्ण रहा, पर प्रधान के इस्तीफे के बाद कुछ जगहों पर हिंसा की घटनाएं हुईं। इससे अनुशासित छवि को आघात पहुंचा। भाजपा नेताओं के बच्चों ने भी जेन-जी आंदोलन का समर्थन किया-फडणवीस की बेटी का भी विरोध को समर्थनः महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की बेटी दिविजा ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया। परीक्षा सुधारों का समर्थन किया। साथ ही उन्होंने हिंसा को अस्वीकार्य भी बताया। असम के मंत्री की बेटी प्रदर्शन में हुईं शामिलः असम गण परिषद के नेता व असम के मंत्री केशव महंत की बेटी दिबिसा प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस पर सीएम हिमंता ने कहा, बेटी पिता की राजनीतिक विचारधारा माने, यह जरूरी नहीं। भाजपा सांसद की बेटी बोलीं- छात्रों के साथः भुवनेश्वर से भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता ने प्रधान के इस्तीफे पर छात्रों का साथ दिया। उन्होंने लिखा, 'मेरा परिवार डीपी (धर्मेंद्र प्रधान) के साथ, मैं छात्रों के साथ।' 36 दिन चला सीजेपी का प्रदर्शन, प्रधान के इस्तीफे से खत्म-3 मई को नीट पेपर लीक के खिलाफ छात्रों का गुस्सा आंदोलन में बदला। सोशल मीडिया पर 16 मई को कॉकरोच जनता पार्टी बनी। 20 जून से जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी धरने पर बैठे। 36 दिन तक चला यह आंदोलन 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफे के बाद खत्म हुआ। प्रधान ने एक बयान में इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा- पिछले 10 दिन की घटनाओं ने उन्हें बहुत दुखी किया है और यह मुद्दा व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का मामला नहीं है। इसके अलावा, छात्रों के साथ अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक ने भी 26 दिन की भूख हड़ताल सरकार के आश्वासन के बाद खत्म कर दी थी। वे भी सोमवार को मेदांता हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होंगे।

जो मैनचिन-अमेरिकी राजनीति में तीसरे विकल्प की खोज में जुटे डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व सांसद

न्यूयोर्क। डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व सांसद जो मैनचिन उन राजनेताओं में हैं, जिनका अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने में

ज्यादा यकीन है। वे अमेरिका की दो ध्रुवीय राजनीति को अलग रास्ते पर ले जाने की नई पहल से सुर्खियों में हैं। राजनीति में कुछ हस्तियां हमेशा मुख्य धारा से अलग हटकर चलने की कोशिश करती हैं। दो बार सांसद रह चुके जो मैनचिन ऐसे ही हैं। वे अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए कुछ नया करते रहते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी में रहते हुए उन्होंने कई बार पार्टी लाइन का विरोध किया था। उन्होंने मतभेदों के कारण 2024 में पार्टी छोड़ दी। अब वे नए रास्ते पर निकल पड़े हैं। उन्होंने स्वतंत्र लीडरशिप काउंसिल लॉन्च की है। 78 साल के मैनचिन अमेरिकी संसद के एक सदन-कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। 23 जुलाई को जब उन्होंने एक समारोह में काउंसिल के गठन का ऐलान किया तो कैलिफोर्निया के सांसद केविन किली सहित कई उम्मीदवार मौजूद थे। मैनचिन का कहना है, हम एक अन्य पार्टी नहीं बना रहे हैं। हम उन लोगों का साथ देंगे जो किसी पार्टी के नहीं हैं, स्वतंत्र हैं। अमेरिका की दो दलीय राजनीति में तीसरी राजनीतिक ताकत बनाने के प्रयास बहुत कम हुए हैं। इसलिए उनकी पहल अहम है। अपने राजनीतिक करियर में मैनचिन मध्यमार्गी रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने 2020-2024 के बीच जलवायु परिवर्तन और अमीरों पर टैक्स सहित कई मुद्दों पर संसद में पार्टी लाइन का विरोध किया था। जो मैनचिन का सफर वेस्ट वर्जीनिया के कोयला खदान क्षेत्र फार्मिंगटन से शुरू हुआ। उनके पिता शहर के मेयर थे। किराना दुकान संचालक उनके दादा जरूरतमंदों की मदद करते थे। उनसे प्रेरित होकर मैनचिन ने भी लोगों का हाल जानना और उनकी सहायता करना शुरू किया। इससे स्थानीय प्रभाव बढ़ता गया। वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में छात्रों की एक पार्टी के दौरान उनकी मुलाकात गेल कोनेली से हुई, जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। राजनीति में उनकी शुरुआत राज्य विधानसभा से हुई। 2004 में वे वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर बने और 2010 में पहली बार अमेरिकी सीनेट पहुंचे। वे कोयला उद्योग के समर्थक रहे हैं। 2021-22 में सीनेट में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकंस के 50-50 सदस्य होने से जो मैनचिन का वोट निर्णायक बन गया। उनके दबाव में राष्ट्रपति जो बाइडेन को कई विधेयकों में बदलाव करने पड़े। मैनचिन का कहना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी में अब उनके जैसे अनुदारवादी नेताओं के लिए जगह नहीं है।

वे राजनीतिक ध्रुवीकरण के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। गैलप के अनुसार अधिकांश अमेरिकी दोनों प्रमुख दलों के प्रति अनुकूल राय नहीं रखते, जबकि एक सर्वे में 45फीसदी लोगों ने खुद को निर्दलीय बताया। रिपब्लिकन प्रभाव वाले वेस्ट वर्जीनिया से उनका दो बार सीनेट जीतना उल्लेखनीय रहा, हालांकि 2024 में वे चुनाव हार गए थे।

194 यात्री-क्रू सवार दुबई-मुंबई इंडिगो फ्लाइट की राजकोट में इमरजेंसी लैंडिंग,कार्गो कंपार्टमेंट से धुआं निकलने पर पायलट ने प्लेन उतारा

राजकोट। दुबई से मुंबई जा

रही इंडिगो की एक फ्लाइट के कार्गो होल्ड में धुआं निकलने की सूचना मिलने के बाद विमान की राजकोट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई.दुबई से मुंबई जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को सोमवार (27 जुलाई 2026) को राजकोट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी. एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, विमान के कार्गो होल्ड से धुआं निकलने की सूचना मिलने के बाद एहतियात के तौर पर यह फैसला लिया गया. न्यूज़ एजेंसी एएनआई को दी गई जानकारी में अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही कार्गो होल्ड में धुआं होने का संकेत मिला, विमान को तुरंत राजकोट की ओर डायवर्ट किया गया ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके. राजकोट एयरपोर्ट के डायरेक्टर दिगंत बोरा ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट पर उतार लिया गया. उन्होंने बताया कि फ्लाइट में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है. अधिकारियों के मुताबिक, यह कदम पूरी तरह यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया. विमान के उतरने के बाद तकनीकी टीम ने उसकी जांच शुरू कर दी है. फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कार्गो होल्ड में धुआं निकलने की वजह क्या थी.एयरपोर्ट प्रशासन और संबंधित तकनीकी टीम पूरे मामले की जांच कर रही है. जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि धुएं का कारण तकनीकी खराबी थी या कोई अन्य वजह. फिलहाल सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

पीओके में हुआ विधानसभा चुनाव का पहला चरण, नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई, 2 महीने से हिंसक प्रदर्शन हो रहे

मुजफ्फराबाद। अधिकांश क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अब भी बंद हैं। भारत की सीमा से सटा पुंछ डिवीजन, जहां सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन हुए, कई सप्ताह तक लगभग पूरी

तरह सील रहा। इससे वहां आटा और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई। दूसरी ओर सरकार और अदालत का कहना है कि इन सीटों को केवल संविधान संशोधन के जरिए ही हटाया जा सकता है। चुनाव तीन चरणों में क्यों हो रहे हैं? 45 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव मूल रूप से 27 जुलाई को होने थे। लेकिन लगातार तनाव के कारण चुनाव तीन चरणों में कराने का फैसला लिया गया। वोटिंग की तारीख- 27 जुलाई- मीरपुर डिवीजन- 2 अगस्त- मुजफ्फराबाद डिवीजन और शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटें 10 अगस्त- पुंछ डिवीजन, जहां सबसे अधिक तनाव बना हुआ है। जेएएसी का कोई नेता चुनाव नहीं लड़ रहा है। संगठन ने अपने समर्थकों से चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की है। 12 शरणार्थी सीटों पर सबसे ज्यादा विवाद पीओके विधानसभा में कुल 45 निर्वाचित सीटें हैं। इनमें 12 सीटें भारतीय प्रशासित जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान आकर बसे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। यही 12 सीटें पूरे विवाद की जड़ हैं। सरकार कहती है कि ये सीटें ऐतिहासिक और संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। जेएएसी का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें पीओके की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। उनका कहना है कि इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है। जेएएसी का कहना है कि इन 12 सीटों का फायदा पीएमएल-एन और पीपीपी जैसी पार्टियां उठाती हैं। इन सीटों की शुरुआत कब हुई? इसकी शुरुआत 1960 में लागू चुनावी व्यवस्था से हुई थी। 1964 के कानून में इसे और मजबूत किया गया। 1970 के कानून में भी इसे बरकरार रखा गया। 1974 के अंतरिम संविधान में इसे औपचारिक संवैधानिक दर्जा मिला। 2018 में संविधान के 13वें संशोधन के जरिए इसे फिर से पुष्टि दी गई। नवाज शरीफ और बिलावल ने झोंकी पूरी ताकत-इन चुनावों के महत्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीएमएल-एन और पीपीपी दोनों ने अपने शीर्ष नेताओं को प्रचार में उतारा। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ लंबे समय बाद पीओके में सक्रिय नजर आए। उनके साथ पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी प्रचार में पहुंचीं। चुनावी सभाओं में नवाज शरीफ ने मेट्रो और मोटरवे जैसी विकास परियोजनाओं का वादा किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से यह भी कह दिया कि अगर पार्टी चाहे तो मरियम नवाज भी प्रधानमंत्री बन सकती हैं। यह बयान मीडिया की सुर्खियां बन गया। दूसरी ओर पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी पूरे दमखम के साथ चुनाव प्रचार किया। गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद पीपीपी को उम्मीद है कि पीओके में भी उसे फायदा मिलेगा।नवाज शरीफ ने पीओके को दूसरा घर बताया- चुनावी माहौल के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ ने मुजफ्फराबाद की एक चुनावी रैली में बड़ा वादा किया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उन्हें पीओके का प्रधानमंत्री बनाने का आग्रह करेंगे, ताकि वे खुद क्षेत्र के विकास की निगरानी कर सकें। नवाज ने कहा कि पीओके उनके लिए पंजाब जितना ही प्रिय है। उन्होंने दावा किया कि उनके पूर्वज कश्मीर से थे और इसलिए यह इलाका उनके लिए दूसरे घर जैसा है। इस चुनाव में पीएमएल-एन का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) से माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस्लामाबाद में दोनों दल केंद्र सरकार में सहयोगी हैं, लेकिन पीओके में वे एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। 2021 में इमरान खान की पार्टी ने बनाई थी सरकार- पीओके विधानसभा का कार्यकाल पांच साल का होता है। पिछला चुनाव 2021 में हुआ था, जिसमें इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने 45 में से 25 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। इसके बाद सरदार अब्दुल कय्यूम नियाजी प्रधानमंत्री बने। हालांकि, अगले कुछ वर्षों में पीओके की राजनीति लगातार अस्थिर रही। मई 2022 में नियाजी ने इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद पीटीआई ने सरदार तनवीर इलियास को प्रधानमंत्री बनाया। लेकिन अप्रैल 2023 में अदालत की अवमानना के मामले में पीओके हाईकोर्ट ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया, जिससे उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद पीटीआई के ही चौधरी अनवरुल हक प्रधानमंत्री बने। हालांकि, बाद में उन्होंने इमरान खान और पीटीआई से दूरी बना ली और खुद को एक स्वतंत्र नेता के तौर पर पेश किया। नवंबर 2025 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उनकी सरकार भी गिर गई। इसके बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के फैसल मुमताज राठौर ने प्रधानमंत्री पद संभाला।

परीक्षा संशोधन बिल पर हुई चर्चा, विपक्ष का हंगामा,स्पीकर ने कहा- सभी पक्ष सहमति बनाएं, छात्रों की पिटाई मामले पर बहस के लिए अड़ा

नयी दिल्ली।यह कानून केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। इनमें यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं, एनटीए और अन्य केंद्रीय भर्ती एवं प्रवेश

परीक्षाएं शामिल हैं। सरकार ने यह संशोधन नीट पेपर लीक विवाद और देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बाद लाया है। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को कानून को और सख्त बनाने का ऐलान किया था। बाद में इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की गई। लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित-किरेन रिजिजू बोले- कांग्रेस और उसके साथी जानबूझकर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। इतना महत्वपूर्ण बिल है, इस पर चर्चा होनी चाहिए। ऐसा काम मत कीजिए, आपकी इमेज बहुत गिर चुकी है। बदनाम होने वाला काम मत कीजिए। चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए। स्पीकर चेयर पर बैठे कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कहा, 'आप चर्चा नहीं करना चाहते हैं। आप देश के युवा के भविष्य लिए चर्चा नहीं चाहते हैं। यदि आपको आज चर्चा नहीं करते हैं तो मैं सभा की कार्रवाई मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करता हूं।' बिरला-रिजिजू ने अखिलेश, वेणुगोपाल से बात की-लोक परीक्षा संशोधन बिल पर जारी गतिरोध को दूर करने के लिए सरकार कोशिश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की है। इनमें अखिलेश यादव और केसी वेणुगोपाल भी शामिल हैं। इनके बीच की बातचीत की डिटेल सामने नहीं आई है। धर्मेंद्र प्रधान संसद भवन से रवाना, मुस्कुराते हुए निकले-धर्मेंद्र प्रधान संसद भवन से रवाना हो गए हैं। मीडिया ने उनसे उनके इस्तीफे, पेपर लीक से जुड़े बिल और विपक्ष के प्रदर्शन पर सवाल किए लेकिन प्रधान बिना जवाब दिए मुस्कुराते हुए अपनी कार में बैठकर चले गए। केसी वेणुगोपाल बोले- शाह कहां छिपे हैं, छात्रों पर कार्रवाई का जवाब दें-कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने छात्रों के प्रदर्शन पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- अमित शाह कहां छिपे हैं? बिहार मेंख-47 और दिल्ली में पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? गृह मंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए।

रिजिजू ने कहा- युवा विपक्ष की हरकत देख रहा-राज्यसभा की कार्यवाही शाम को 5:15 बजे फिर शुरू हुई। किरेन रिजिजू ने कहा, 'चर्चा के लिए टाइम दिया गया है।

मंत्री बैठे हैं। बाहर बोलते हैं कि ससंद में बोलने नहीं देते हैं। यहां हम हाथ जोड़-जोड़कर कहते हैं। बोलिए तो मान नहीं रहे हैं। ये बिल पर देश के लोग चर्चा सुनना चाहते हैं। मैं खड़गे जी से अनुरोध करता हूं कि आप अपने सांसदों को समझाएं। आप लोग चर्चा नहीं करने दे रहे हैं मैं इस व्यवहार का खंडन करता हूं।

मेरी जेनज़ी बेटी को लगता है, वो मोटी है, अपनी तुलना सोशल मीडिया वाली लड़कियों से करती है और दुखी होती है, उसे कैसे समझाऊं?

जयपुर। आज के आधुनिक युग में हमारी पीढ़ी हमसे विपरीत सोशल मीडिया से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाती हैं तो ऐसा होना स्वाभाविक हैं विषय को और गहराई से समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माधयम से। सवाल- मैं दिल्ली

से हूं। मेरी 14 साल की बेटी है। पिछले कुछ महीनों से मैं नोटिस कर रही हूं कि वह अपने लुक्स और बॉडी को लेकर काफी इनसिक्योर महसूस करने लगी है। कभी वह अपने वजन को लेकर परेशान रहती है, तो कभी अपनी स्किन या हाइट को लेकर। वह अक्सर अपनी तुलना सोशल मीडिया पर दिखने वाली लड़कियों से करती है और कई बार खुद को कमतर महसूस करती है। मुझे उसकी चिंता हो रही है। उसे कैसे समझाऊं कि असली खूबसूरती क्या होती है और उसका आत्मविश्वास कैसे बढ़ाऊं? जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। किशोरावस्था यानी टीनएज वह समय है, जब बच्चे अपनी बॉडी, लुक्स और दूसरों की राय को लेकर सेंसिटिव होते हैं। प्यूबर्टी की एज यानी 13-18 साल की उम्र में तेजी से शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। इस उम्र में सोशल मीडिया ट्रेंड्स और दोस्तों से वैलिडेशन पाने की चाहत बढ़ती है। इसके कारण परफेक्ट दिखने का दबाव बनता है। ऐसे में अपने लुक्स को लेकर इनसिक्योर महसूस करना कॉमन है। हालांकि इसे सिर्फ एक फेज कहकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि लगातार नेगेटिव बॉडी इमेज बच्चे के आत्मविश्वास और मेंटल हेल्थ को प्रभावित कर सकती है। पहले समझिए, बॉडी इमेज क्या होती है? व्यक्ति अपने शरीर, चेहरे, वजन, रंग और लुक्स को लेकर जैसा महसूस करता है, उसे बॉडी इमेज कहते हैं। यह पॉजिटिव भी हो सकती है और नेगेटिव भी। जब कोई खुद को दूसरों से कम सुंदर या कम आकर्षक समझने लगे तो इसे नेगेटिव बॉडी इमेज कहा जाता है। टीनएज में बॉडी इमेज को लेकर चिंता क्यों होती है? इस फेज में शरीर और भावनाओं दोनों में बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चे खुद को दूसरों की नजर से देखने लगते हैं। उन्हें लगता है कि लोग उनके लुक्स को जज कर रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स पर बच्चे हर समय ऐसे चेहरे देखते हैं, जो फिल्टर, मेकअप, एडिटिंग और कैमरा एंगल की मदद से 'परफेक्ट' बनाए जाते हैं। बच्चे असल जिंदगी और सोशल मीडिया के बीच फर्क नहीं कर पाते हैं। टीनएज में बॉडी इमेज को लेकर चिंता के पीछे कई अन्य वजहें भी हैं। सोशल मीडिया का बॉडी इमेज पर प्रभाव- टीनएज बॉडी इमेज पर अब तक कई स्टडीज हो चुकी हैं, जो बताती हैं कि सोशल मीडिया और इंटरनेट किशोर लड़कियों के आत्मविश्वास, मेंटल हेल्थ और खुद को देखने के नजरिए को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं। साल 2023 में 'अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन' (एपीए) की एक स्टडी के मुताबिक, टीनएज लड़कियां सोशल मीडिया पर जितना ज्यादा समय बिताती हैं, उनमें बॉडी इमेज को लेकर असंतोष उतना ही बढ़ता है। एडिटेड तस्वीरें, ब्यूटी फिल्टर्स और 'परफेक्ट बॉडी' कंटेंट देखने से टीनएजर्स में खुद की तुलना करने की आदत बढ़ती है। इससे एंग्जाइटी, लो सेल्फ-एस्टीम और ईटिंग डिसऑर्डर का रिस्क बढ़ता है। वहीं साल 2021 में 'मेटा' की इंटरनल रिसर्च लीक होने के बाद सामने आया कि इंस्टाग्राम टीनएज लड़कियों की बॉडी इमेज पर नेगेटिव असर डाल रहा है। इस स्टडी में करीब 32फीसदी किशोरियों ने माना कि जब वे अपनी बॉडी को लेकर पहले से परेशान होती थीं, तब इंस्टाग्राम उनकी समस्या और बढ़ा देता था। आइए, अब इस समस्या के समाधान पर बात करते हैं- बेटी की भावनाओं को हल्के में न लें-अक्सर माता-पिता अपनी टीनएज बेटी को समझाने के लिए तुरंत बोल देते हैं- 'तुम बिल्कुल ठीक लगती हो।' 'तुम बेवजह सोच रही हो।' 'इतनी छोटी बात पर परेशान मत हो।' हालांकि ऐसा कहने के पीछे प्यार होता है, लेकिन कई बार बेटी ये सोच सकती है कि उसकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसलिए सबसे पहले उसकी बात सुनिए। अगर वह कहती है कि उसे अपनी स्किन, वजन या हाइट पसंद नहीं है, तो तुरंत समझाने की बजाय पूछें कि-'तुम ऐसा क्यों महसूस कर रही हो?' 'क्या किसी ने कुछ कहा है?' 'क्या सोशल मीडिया देखकर ऐसा लगता है?' जब बच्चे अपनी बात खुलकर कह पाते हैं, तो उन्हें भावनात्मक रूप से सुरक्षा का अहसास होता है। सोशल मीडिया की 'परफेक्ट दुनिया' का सच समझाएं-बेटी को बताएं कि सोशल मीडिया पर हर कोई अपनी जिंदगी का 'सबसे अच्छा हिस्सा' दिखाता है। कोई अपनी परेशानियां और इनसिक्योरिटीज नहीं दिखाता। बच्चे यह नहीं समझ पाते कि- ज्यादातर तस्वीरें फिल्टर्ड और एडिट की हुई होती हैं। तस्वीरों में कैमरा एंगल, मेकअप और लाइटिंग बहुत फर्क डालते हैं।

कि जब बच्चे अपनी बॉडी को लेकर पहले से परेशान होती थीं, तब सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का सिर्फ 'बेस्ट पार्ट' दिखाते हैं। बेटी से खुलकर इस बारे में बात करें कि- सोशल

मीडिया रियल लाइफ नहीं है। हर इंसान अपने आप में खूबसूरत होता है। हर किसी की ग्रोथ अलग स्पीड से होती है। सुंदरता का कोई एक तय पैमाना नहीं होता। व्यक्ति मन से सुंदर होता है, तो तुरंत समझाने की बजाय पूछें कि-'तुम ऐसा क्यों महसूस कर रही हो?' 'क्या किसी ने कुछ कहा है?' 'क्या सोशल मीडिया देखकर ऐसा लगता है?' जब बच्चे अपनी बात खुलकर कह पाते हैं, तो उन्हें भावनात्मक रूप से सुरक्षा का अहसास होता है। सोशल मीडिया की 'परफेक्ट दुनिया' का सच समझाएं-बेटी को बताएं कि सोशल मीडिया पर हर कोई अपनी जिंदगी का 'सबसे अच्छा हिस्सा' दिखाता है। कोई अपनी परेशानियां और इनसिक्योरिटीज नहीं दिखाता। बच्चे यह नहीं समझ पाते कि- ज्यादातर तस्वीरें फिल्टर्ड और एडिट की हुई होती हैं। तस्वीरों में कैमरा एंगल, मेकअप और लाइटिंग बहुत फर्क डालते हैं। आत्मविश्वास, व्यवहार, दयालुता, सोच,ईमानदारी, दूसरों के प्रति सम्मान, बच्ची को बताएं कि दुनिया में हर इंसान अलग है और यही उसकी सबसे बड़ी खूबी है। इसके साथ ही आप बेटी की दूसरी खूबियों की तारीफ करें। जैसेकि- उसकी मेहनत, उसका व्यवहार, उसकी समझदारी, उसकी क्रिएटिविटी, उसकी हॉबी, उसकी दयालुता, जब बच्ची समझती है कि उसकी वैल्यू सिर्फ चेहरे या बॉडी से तय नहीं होती, तब उसका आत्मविश्वास मजबूत होता है। घर का माहौल पॉजिटिव रखें- बच्चे सिर्फ बातें नहीं सुनते, वे घर का माहौल भी महसूस करते हैं। अगर घर में बार-बार वजन, रंग, हाइट या लुक्स को लेकर बातें होती हैं, तो इसका असर बच्चों पर पड़ता है। उदाहरण के लिए-'तुम मोटी लग रही हो।' 'थोड़ा गोरा रंग होता तो अच्छा लगता।' 'कितना वजन बढ़ गया है।' ऐसी बातें बच्चे के मन में गहराई तक बैठ सकती हैं। इसलिए कोशिश करें कि घर में- बॉडी शेमिंग बिल्कुल न हो। किसी के रंग या वजन का मजाक न बने। सुंदर होने जैसी सोच को बढ़ावा न मिले। बच्ची का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए ग्राफिक में दी गई कुछ और बातों का ध्यान रखें- बेटी के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं-कई बार बच्चे इसलिए भी ज्यादा इनसिक्योरिटी महसूस करते हैं, क्योंकि उन्हें इमोशनल सपोर्ट की जरूरत होती है। अपनी बेटी के साथ समय बिताएं। उसके साथ वॉक पर जाइए। उसकी हॉबी बढ़ाव दीजिए। उसकी बातों को ध्यान से सुनिए। साथ खाना बनाइए। जब बच्चे को लगता है कि उसे बिना किसी जजमेंट के स्वीकार किया जा रहा है, तो उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। सोशल मीडिया की तुलना बच्चों के मन में हीन भावना पैदा कर सकती है। अगर घर का माहौल सकारात्मक हो, बॉडी शेमिंग न हो और बच्चे की खूबियों को सराहा जाए, तो वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना सीखते हैं। कब सतर्क होने की जरूरत है? अगर बच्ची-खुद को कमतर आंकने लगे।खाना बहुत कम या ज्यादा खाने लगे। लोगों से मिलना-जुलना कम कर दे। हर समय अपनी फोटो को लेकर परेशान रहे। लगातार उदास या चिड़चिड़ी रहने लगे। सोशल मीडिया के बिना बेचैन महसूस करे। तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। जरूरत पड़े तो चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर की मदद लेना बेहतर है। अंत में यही कहूंगी कि आपकी बेटी को इस समय सबसे ज्यादा जरूरत 'परफेक्ट दिखने' की नहीं, बल्कि यह महसूस करने की है कि वह जैसी है, वैसी ही प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता की हकदार है। जब घर से उसे भरोसा, भावनात्मक सुरक्षा और बिना शर्त प्यार मिलेगा, तो धीरे-धीरे वह खुद को दूसरों से तुलना करने की बजाय अपनी खूबियों को पहचानना सीख जाएगी। याद रखिए, बच्चों का आत्मविश्वास एक दिन में नहीं बनता। यह रोज की छोटी-छोटी बातचीत, सपोर्ट और स्वीकार्यता से मजबूत होता है।

अमजद खान की पुण्यतिथि

डिलीवरी के बाद बीवी को घर लाने के पैसे नहीं थे, रु1.27 करोड़ की फीस अटकी, परिवार ने अंडरवर्ल्ड की मदद ठुकराई

मुंबई। 'मैं वो आदमी था, जो रोज 4-5 घंटे कसरत करता था। बैडमिंटन खेलता था, फ्री-हैंड एक्सरसाइज करता था, वेट उठाता था... लेकिन फिर एक एक्सीडेंट हुआ और मैं तीन महीने तक बिस्तर पर पड़ा रहा।' एक पुराने इंटरव्यू में दिवंगत एक्टर अमजद खान ने अपनी जिंदगी का सबसे दर्दनाक दौर याद करते हुए यह बात कही थी। उन्होंने बताया था कि हादसे में शरीर की लगभग सारी हड्डियां टूट गई थीं। डॉक्टरों ने तीन साल तक एक्सरसाइज करने से मना कर दिया। जैसे-तैसे संभले तो दूसरा हादसा हो गया, फिर पैर टूट गया। इसके बाद पैरालिसिस का अटैक आया और महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा। पुलिस की नौकरी छोड़ फिल्मों में आए थे पिता-अमजद खान के पिता जयंत एक एक्टर थे। उनका असली नाम जकारिया खान था। जयंत ने शुरुआती पढ़ाई के बाद राजस्थान के अलवर में पुलिस अधिकारी की नौकरी शुरू कर दी थी। हालांकि, फिल्मों में आने के लिए उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ दी। डायरेक्टर विजय भट्ट ने उन्हें नया नाम दिया- 'जयंत'। अपनी लंबी कद-काठी, गूंजती आवाज और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर उन्होंने 1930 और 40 के दशक में कई फिल्मों में हीरो और बाद में कैरेक्टर एक्टर के रूप में पहचान बनाई। उन्होंने दिलीप कुमार, मधुबाला और किशोर कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ भी काम किया। पिता की तरह अमजद खान भी फिल्मों में आए, लेकिन जयंत अपने बेटे की सबसे बड़ी सफलता नहीं देख सके। 2 जून 1975 को गले के कैंसर से उनका निधन हो गया और करीब दो महीने बाद फिल्म 'शोले' रिलीज हुई। अस्पताल से पत्नी को लाने के लिए भी नहीं थे रु400- अमजद खान के जब बेटे का जन्म हुआ था, उस समय परिवार बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा था। आर्थिक तंगी इतनी थी कि बेटे के जन्म के बाद उनकी पत्नी को मैटरनिटी हॉस्पिटल से घर लाने के लिए भी अमजद खान के पास 300-400 रुपए नहीं थे, लेकिन उसी दिन उनकी किस्मत ने करवट ली। जिस दिन उनके बेटे का जन्म हुआ, उसी दिन उन्हें फिल्म 'शोले' साइन करने का मौका मिला। यही फिल्म आगे चलकर उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान बनी। कैसे मिला था शोले' का गब्बर सिंह बनने का मौका- 'शोले' में गब्बर सिंह का किरदार बॉलीवुड के सबसे आइकोनिक किरदारों में गिना जाता है। निर्देशक रमेश सिप्पी इस रोल के लिए पहले डैनी डेजोंगपा को कास्ट करना चाहते थे। लेकिन डैनी उस समय फिरोज खान की फिल्म 'धर्मात्मा' की शूटिंग के लिए अफगानिस्तान जा रहे थे, इसलिए उन्होंने यह फिल्म छोड़ दी। इसके बाद यह रोल रंजीत को भी ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने डैनी की दोस्ती के कारण मना कर दिया। बाद में यह रोल अमजद खान ने निभाया। अमजद खान को यह रोल कैसे मिला, इस बारे में उनके बेटे शादाब खान ने बताया था कि सबसे पहले लेखक सलीम खान ने निर्देशक रमेश सिप्पी से कहा था, 'एक लड़का है अमजद खान... बहुत बेहतरीन एक्टर है, एक बार उसे देखकर तो देखिए।' इसी दौरान एक्टर सत्येन कप्पू ने भी रमेश सिप्पी से अमजद खान की जोरदार सिफारिश की। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को अच्छा एक्टर मानता हूं, लेकिन अमजद मुझसे भी बेहतर एक्टर है। उसे एक मौका जरूर दीजिए।' सलीम खान और सत्येन कपूर की बात रमेश सिप्पी के दिमाग में बैठ गई। इसके बाद उन्होंने एक नाटक में अमजद खान की दमदार परफॉर्मेंस देखी। उनकी एक्टिंग से प्रभावित होकर रमेश सिप्पी ने उन्हें ऑडिशन के लिए बुलाया। ऑडिशन सफल रहा और अमजद खान को 'शोले' में गब्बर सिंह का किरदार मिल गया। इसके बाद जो हुआ, वह भारतीय सिनेमा का इतिहास बन गया। गब्बर की आवाज डब

कराने का सुझाव दिया गया था- शोले में गब्बर सिंह की गूंजती हुई आवाज आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देती है। 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?' और 'ये हाथ मुझे दे दे ठाकुर!' जैसे डायलॉग अमजद खान की आवाज की वजह से ही अमर हो गए। हालांकि, एक समय ऐसा भी आया था, जब गब्बर की आवाज बदलने की तैयारी हो रही थी। फिल्म के डायरेक्टर रमेश सिप्पी ने अरबाज खान को दिए इंटरव्यू में बताया था कि लेखक जोड़ी सलीम-जावेद को शुरुआत में अमजद खान की आवाज पर भरोसा नहीं था। उनका मानना था कि गब्बर की आवाज डब करानी चाहिए। हालांकि, रमेश सिप्पी इस फैसले के पक्ष में नहीं थे। उनका मानना था कि अमजद खान की आवाज और अनोखी आवाज ही इस किरदार की सबसे बड़ी ताकत है। हाल ही में अमजद खान के बेटे शादाब खान ने भी इस किस्से का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अमिताभ बच्चन ने भी रमेश सिप्पी से साफ कहा था, 'इसकी आवाज को बिल्कुल मत छेड़ना, यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।' रमेश सिप्पी ने अमिताभ की बात का समर्थन किया और अमजद खान की असली आवाज को ही फिल्म में रखा। नतीजा यह हुआ कि वही आवाज हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार और खौफनाक आवाजों में शामिल हो गई। जब टैरो रीडर ने पहले ही कह दिया था- 'फिल्म इसी आदमी से चलेगी' फिल्म 'शोले' की शूटिंग एक साल से ज्यादा समय से चल रही थी। लंबा शेड्यूल देखकर फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग रमेश सिप्पी का मजाक उड़ाते थे। इसी दौरान रमेश सिप्पी, अमजद खान को साथ लेकर मशहूर टैरो कार्ड रीडर डोलोरेस से मिलने पहुंचे। उस वक्त अमजद खान शूटिंग के बाद गब्बर सिंह के लुक में ही थे। शादाब खान के मुताबिक, डोलोरेस ने टैरो कार्ड खोलते ही रमेश सिप्पी से कहा, 'आपकी फिल्म सुपरहिट होगी। यह लगातार पांच साल तक चलेगी... और इसकी वजह यही आदमी होगा।' इतना कहते हुए उन्होंने सीधे अमजद खान की ओर इशारा कर दिया था। रमेश सिप्पी और अमजद खान दोनों हैरान रह गए। फिल्म अमजद खान की पूरी जिंदगी- 1976 में फिल्म 'द ग्रेट गैम्बलर' की शूटिंग के लिए अमजद खान अपने परिवार के साथ गोवा जा रहे थे। उनके बेटे शादाब खान ने बताया था कि कार अमजद खान खुद चला रहे थे। पीछे उनकी पत्नी शैला खान और शादाब बैठे थे। उस वक्त शैला अपनी बेटी अहलम के साथ प्रेग्नेंट थीं। सुबह का समय था। रात की बारिश से सड़क गीली थी। तभी अचानक रास्ते में एक खराब ट्रक सामने आ गया, जिसके आसपास चेतावनी के लिए पत्थर रखे गए थे। ट्रक से बचने के लिए अमजद खान ने तुरंत गाड़ी मोड़ी, लेकिन गीली सड़क पर कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे एक पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना भयानक था कि अमजद खान की जान जाते-जाते बची। उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि शादाब की कॉलर बोन टूट गई। पूरे परिवार को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हादसे की खबर मिलते ही अमिताभ बच्चन ने मुंबई से इलाज और बाकी इंतजाम किए थे। अस्पताल में सत्यजीत रे ने कहा-मेरी फिल्म के लिए मत मरना- 1976 के भीषण सड़क हादसे के बाद अमजद खान अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे थे। कई बार उनकी हालत इतनी सीरियस हो जाती थी। उसी दौरान महान फिल्मकार सत्यजीत रे उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे। अमजद खान उस वक्त पूरी तरह होश में भी नहीं थे। सत्यजीत रे उनके पास बैठे और बोले, 'अमजद, मैं 'शतरंज के खिलाड़ी' बना रहा हूं और उसमें वाजिद अली शाह का किरदार सिर्फ तुम ही निभा सकते हो। अगर तुम्हें कुछ हो गया, तो मैं यह फिल्म ही नहीं बनाऊंगा। इसलिए मेरी फिल्म के लिए... मरना मत।' शादाब खान ने बताया था कि उनके पिता उस समय बेहोशी और होश के बीच थे, लेकिन उन्होंने सत्यजीत रे की बातें महसूस कीं। आखिरकार अमजद खान मौत को मात देकर ठीक हुए और बाद में 'शतरंज के खिलाड़ी' में नवाब वाजिद अली शाह का यादगार किरदार निभाया। 1976 में हुए भीषण सड़क हादसे में अमजद खान की कई हड्डियां टूट गईं, फेफड़ा क्षतिग्रस्त हो गया और गर्दन में गंभीर चोट आई। इसके बाद उन्हें लंबे समय तक गर्दन पर सपोर्ट कॉलर पहनना पड़ा। करीब एक साल तक वह बिस्तर पर रहे। लगातार दवाइयों और आराम की वजह से उनका वजन तेजी से बढ़ने लगा। शादाब बताते हैं कि हादसे से पहले उनके पिता बेहद फिट थे। उन्हें क्रिकेट और बैडमिंटन का बहुत शौक था और वह शानदार खिलाड़ी भी थे। लेकिन दुर्घटना के बाद उनके पैर में लगी रॉड करीब 20 साल तक नहीं निकाली गई, जिससे वह पहले की तरह दौड़-भाग या व्यायाम नहीं कर सके। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य गिरने लगा और बढ़ता वजन उनकी सबसे बड़ी परेशानी बन गया। बेटे ने डॉक्टर पर हाथ उठा दिया था- 27 जुलाई 1992 की शाम अमजद खान अपने कमरे में आराम कर रहे थे। दिनभर वह कई बार उठे, फिर दोबारा सो गए। परिवार को लगा कि वह सिर्फ थके हुए हैं। शाम करीब 8 बजे बेटा शादाब खान घर लौटे। तभी उनकी मां ने कहा, 'जाकर देखो... तुम्हारे डैड उठ नहीं रहे हैं।' शादाब तुरंत कमरे में पहुंचे। उन्होंने पिता को उठाने की कोशिश की, लेकिन कोई हरकत नहीं हुई। उनका शरीर ठंडा पड़ चुका था। फौरन डॉक्टर को बुलाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि अमजद खान को मैसिव हार्ट अटैक आया है और एक खास इंजेक्शन की जरूरत है। 18 साल के शादाब बिना एक पल गंवाए कार लेकर दवा लेने निकल पड़े। वह इतनी तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे कि आज भी उन्हें हैरानी होती है कि रास्ते में कोई हादसा नहीं हुआ। लेकिन जब वह इंजेक्शन लेकर लौटे, तो डॉक्टर ने सिर्फ एक वाक्य कहा, 'तुम कुछ सेकेंड देर से पहुंचे।' यह सुनते ही शादाब का गुस्सा और दर्द फूट पड़ा। उन्होंने डॉक्टर पर हाथ उठा दिया, घर का क्रॉकरी और कटलरी का सामान तोड़ डाला, दीवार पर मुक्के मार दिए और पिता के एक करीबी दोस्त से भी धक्का-मुक्की कर बैठे। बाद में हाल ही में शादाब ने स्वीकार किया कि उस वक्त वह सिर्फ 18 साल के थे। पिता को खोने का दर्द इतना गहरा था कि वह खुद पर काबू नहीं रख पाए। अंडरवर्ल्ड ने अमजद खान के परिवार को फोन किया था अमजद खान के बेटे शादाब खान ने पत्रकार विकी लालवानी को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता के निधन के कुछ महीने बाद उनके परिवार को अंडरवर्ल्ड से एक फोन आया था। शादाब के मुताबिक, अमजद खान की फिल्मों की करीब रु1.27 करोड़ फीस कई बड़े फिल्म निर्माताओं पर बकाया थी। यह रकम उस दौर में बेहद बड़ी थी, लेकिन परिवार को कभी वापस नहीं मिली। इंटरव्यू में शादाब ने बताया कि मिडिल ईस्ट से जुड़े एक गैंगस्टर ने उनकी मां को फोन कर कहा था कि वह बॉलीवुड से यह पूरी रकम तीन दिनों के भीतर वसूल कर उनके घर पहुंचा सकता है। हालांकि, उनकी मां ने यह प्रस्ताव तुरंत ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा था, 'मेरे पति ने कभी अंडरवर्ल्ड की मदद नहीं ली। मैं उनके जाने के बाद भी ऐसी शुरुआत नहीं करना चाहती।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।